संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 280
पृष्ठ 8
मंगलवार
30 जून 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- ४० की होने वाली हैं तो अपने...

विचार- चुनाव 2027: जीत के लिए...

खेल- 15 साल लंबे करियर का होगा...

शिक्षा, नवाचार और विकास की नई पहचान बन रहा है मुरादाबादः मुख्यमंत्री योगी

मुरादाबाद ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मुरादाबाद में 365. 50 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसमें वॉर मेमोरियल, श्रीराम वाटिका और खेल पार्क का लोकार्पण शामिल है। बुद्धि विहार फेज–2 के मैदान पर जनसभा से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंच पर पहुंचने के बाद दानवीर भामाशाह को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके राष्ट्र और समाज के प्रति योगदान को नमन किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मुरादाबाद में आयोजित कार्यक्रम के दौरान दानवीर भामाशाह के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका त्याग और समर्पण भारत के इतिहास में राष्ट्रभक्ति का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि भामाशाह ने अपनी पूरी संपत्ति महाराणा प्रताप को समर्पित कर स्वाभिमान और स्वतंत्रता की लड़ाई को नई शक्ति प्रदान की।

सीएम योगी ने अपने संबोधन की शुरुआत पीतलनगरी मुरादाबाद, गुरु जंभेश्वर की पावन साधना स्थली और भारत की आजादी के क्रांतिकारियों की धरती को नमन करते हुए की। उन्होंने दानवीर भामाशाह जयंती और व्यापारी कल्याण दिवस की प्रदेशवासियों, विशेषकर व्यापारी वर्ग को शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि मुरादाबाद दौरे के दौरान उन्हें सैकड़ों करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने का अवसर मिला है। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर इन परियोजनाओं के शुभारंभ के लिए उन्होंने क्षेत्रवासियों को बधाई दी।

कहा कि दानवीर भामाशाह का जीवन इस बात का प्रमाण है कि समाज का एक व्यक्ति भी राष्ट्र की सुरक्षा और स्वाभिमान की रक्षा में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। उन्होंने हल्दीघाटी युद्ध का उल्लेख करते हुए कहा कि युद्ध के बाद जब महाराणा प्रताप को कठिन परिस्थितियों में जंगलों में संघर्ष करना पड़ा और संसाधनों का अभाव हो गया, तब भामाशाह अपनी पूरी संपत्ति लेकर उनके पास पहुंचे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भामाशाह द्वारा दिए गए आर्थिक सहयोग से महाराणा प्रताप ने वर्षों तक अपनी सेना का संचालन किया और मुगल बादशाह अकबर के सामने संघर्ष जारी रखा। उन्होंने कहा कि भामाशाह का त्याग और राष्ट्रभक्ति आज भी समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने व्यापारी कल्याण दिवस के अवसर पर कहा कि प्रदेश सरकार व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जो भी उद्यमी या व्यापारी जीएसटी में पंजीकरण कराता है, यदि उसके साथ कोई दुर्घटना या अप्रिय घटना होती है, तो डबल इंजन सरकार उसके परिवार को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराती है।

मुरादाबाद में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने व्यापारियों से इस योजना का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार व्यापारी वर्ग की सुरक्षा और कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सीएम योगी ने कहा कि आज का मुरादाबाद पहले के मुकाबले पूरी तरह बदल चुका है। उन्होंने कहा कि पहले और आज के मुरादाबाद में जमीन–आसमान का अंतर है। सरकार की विकास योजनाओं, बेहतर कानून व्यवस्था और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार से जिले ने नई पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विकास और सुशासन के माध्यम से हर क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। मुरादाबाद सदर विधायक रितेश गुप्ता ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि उनका व्यक्तित्व केवल एक मुख्यमंत्री का नहीं, बल्कि मजबूत नेतृत्व और जनसेवा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने अपने संकल्प, ईमानदार नीयत और निर्णायक नेतृत्व से उत्तर प्रदेश की दिशा और दशा दोनों बदलने का काम किया है। आज प्रदेश कानून व्यवस्था, आधारभूत ढांचे, निवेश, औद्योगिक विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में नए विकास मॉडल के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में सुरक्षा, सुशासन और विकास की मजबूत नींव रखी गई है, जिससे करोड़ों लोगों का विश्वास सरकार पर बढ़ा है।

आज आम नागरिक खुद को अधिक सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त महसूस कर रहा है। युवा नए अवसर प्राप्त कर रहे हैं, जबकि किसान और गरीबों तक सरकारी योजनाओं का वास्तविक लाभ पहुंच रहा है। रितेश गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री का जीवन त्याग, तपस्या, अनुशासन और जनसेवा का उदाहरण है। उनका व्यक्तित्व यह संदेश देता है कि राजनीति सत्ता का नहीं, बल्कि सेवा का सर्वोच्च माध्यम है।

दिल्ली में नई ईवी पॉलिसी को मंजूरी, एक जुलाई से होगी लागू

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली सरकार ने सोमवार को नई इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) पॉलिसी को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सचिवालय में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि यह नीति दिल्ली की वर्षों पुरानी प्रदूषण और परिवहन संबंधी चुनौतियों के समाधान की दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने बताया कि उपराज्यपाल की संस्तुति के बाद यह नीति एक जुलाई से लागू होगी और 31 अगस्त 2031 तक प्रभावी रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई ईवी पॉलिसी से आम लोगों को करीब 15 हजार करोड़ रुपये का लाभ मिलने का अनुमान है। सरकार ने विभिन्न श्रेणियों के इलेक्ट्रिक वाहनों पर मिलने वाली सब्सिडी और प्रोत्साहन राशि में वृद्धि की है, ताकि अधिक से अधिक लोग इलेक्ट्रिक वाहन अपनाएं। उन्होंने कहा कि दोपहिया, चारपहिया, तिपहिया, ट्रक और ग्रामीण परिवहन वाहनों को भी इस नीति के दायरे में शामिल किया गया है। प्रेसवार्ता की शुरुआत करते हुए शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने बताया कि ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स ने सोमवार को नई ईवी पॉलिसी का मसौदा मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसे बाद में मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी। उन्होंने कहा कि इस नीति को अंतिम रूप देने से पहले विभिन्न हितधारकों के साथ कई दौर की बैठकें की गईं। परिवहन विभाग की सचिव निहारिका ने बताया कि कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद पॉलिसी का मसौदा उपराज्यपाल को भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि मंगलवार तक उनकी मंजूरी भी मिल जाएगी। नई नीति के तहत इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों के लिए 30 हजार से 50 हजार रुपये तक का प्रोत्साहन दिया जाएगा। इलेक्ट्रिक ट्रक खरीदने पर एक लाख रुपये तथा ग्रामीण सेवा वाहनों के लिए 20 हजार रुपये का स्क्रैपिंग इंसेंटिव मिलेगा। सरकार ने चरणबद्ध तरीके से पारंपरिक ईंधन वाले वाहनों के पंजीकरण पर रोक लगाने का भी निर्णय लिया है। इसके तहत वर्ष एक जनवरी 2027 से नए तीनपहिया और वर्ष अप्रैल 2028 से नए दोपहिया वाहनों का पंजीकरण केवल इलेक्ट्रिक वाहनों के रूप में किया जाएगा।

धरती पर हरियाली और खुशहाली बनी रहे : प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को सभी की शाश्वत समृद्धि, सुख और खुशहाली की कामना करते हुए संस्कृत का एक सुभाषितम् साझा किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति की असीम कृपा, सूर्य देव की ऊर्जा और वर्षा का पावन आशीर्वाद मानव जीवन को सुख–सौभाग्य से समृद्ध बनाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी कामना है कि धरती सदैव हरी–भरी, जीवंत और समृद्ध बनी रहे। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, "प्रकृति की असीम कृपा, सूर्यदेव की ऊर्जा और वर्षा का पावन आशीर्वाद हम सभी के जीवन को सुख–सौभाग्य से समृद्ध करता है। मेरी कामना है कि धरती पर सदैव हरियाली और खुशहाली बनी रहे।" इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संस्कृत का सुभाषितम् भी साझा कियारू– "शं नो देवः सविता त्रायमाणः शं नो भवन्तूषसो विभातीः। शं नः पर्जन्यो भवतु प्रजाभ्यः शं नः क्षेत्रस्य पतिरस्तु शम्भु:" प्रधानमंत्री ने इस सुभाषितम् का अर्थ बताते हुए कहा कि विश्व के तेजस्वी रक्षक सविता देव हम पर कृपा करें। उज्ज्वल सूर्योदय हमारे जीवन में सुख और समृद्धि लाए। वर्षा के देवता पर्जन्य जन कल्याण की रक्षा करें और खेतों, फसलों तथा भूमि के कृपालु स्वामी सभी को सुख और समृद्धि प्रदान करें।

भूस्खलन और ग्लेशियर पिघलने से श्रीखंड, किन्नौर कैलाश यात्रा पर रोक

शिमला,एजेंसी। भूस्खलन, अचानक बाढ़ और अस्थिर हिमनदों (ग्लेशियरों) के खतरे के कारण मार्गों के असुरक्षित होने पर हिमाचल प्रदेश के कुल्लू और किन्नौर जिला प्रशासन ने अगले आदेश तक श्रीखंड महादेव यात्रा और किन्नौर कैलाश यात्रा पर रोक लगा दी है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। कुल्लू जिले में 16,900 फुट की ऊंचाई पर स्थित श्रीखंड महादेव भारत की सबसे कठिन धार्मिक यात्राओं में से एक मानी जाती है। इस यात्रा में श्रद्धालुओं को एक तरफ की 35 किलोमीटर की पैदल यात्रा करनी पड़ती है, जो घास के मैदानों से होकर 72 फुट ऊंचे शिवलिंग तक पहुंचती है। वहीं किन्नौर जिले में 19,850 फुट की ऊंचाई पर स्थित किन्नौर कैलाश को भगवान शिव का शीतकालीन निवास माना जाता है। दोनों यात्राएं सामान्यतः जुलाई महीने में शुरू होती हैं। श्रीखंड महादेव यात्रा को उस समय स्थगित कर दिया गया जब अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण एवं संबद्ध खेल संस्थान, मनाली के विशेषज्ञों तथा राजस्व और वन विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम ने पारंपरिक और वैकल्पिक दोनों मार्गों को असुरक्षित घोषित कर दिया। निरीक्षण रिपोर्ट के अनुसार, भीमद्वारी–पार्वती बाग मार्ग तथा प्रस्तावित वैकल्पिक रास्ते में तीव्र ढलान, अस्थिर भू–भाग, फिसलन भरे रास्ते और कई पर्वतीय नाले हैं।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिए गए सहकारी संघवाद के मंत्र का एक उत्कृष्ट उदाहरण है यह समझौता : अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में सोमवार को नई दिल्ली में यमुना जल परियोजना के निर्माण और कार्यान्वयन के संबंध में राजस्थान और हरियाणा सरकार के बीच एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं। शाह ने कहा कि इस समझौते से हरियाणा और राजस्थान के लोगों की पानी से जुड़ी लगभग तीन दशक पुरानी समस्या का समाधान हो गया है। यह समझौता प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिए गए सहकारी संघवाद के मंत्र का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। साथ ही यह समझौता इस बात का भी उदाहरण है कि अगर राज्य सहकारी संघवाद की सोच को आगे बढ़ाएं तो तीन दशक पुरानी समस्या भी सरलता से सुलझ सकती है। गृह मंत्री ने कहा कि इस समझौते के तहत जुलाई से अक्टूबर तक लगभग

580 एमसीएम पानी यमुना नहर से तीन भूमिगत पाइपलाइंस के जरिए राजस्थान तक पहुंचाया जाएगा। इन तीन पाइपलाइंस का व्यास 3.6 मीटर से भी अधिक है जिनके माध्यम से राजस्थान और हरियाणा राज्यों के लोगों के लिए पेयजल की व्यवस्था होगी। यह समझौता दोनों राज्यों के लिए श्लाभदायक स्थितिश का अच्छा उदाहरण है। समझौते में वित्तीय जिम्मेदारी, लागत साझीकरण, जल आवंटन और जल छोड़ने के प्रोटोकॉल और रखरखाव का बारीकी से ध्यान रखा गया है।

इस वैज्ञानिक रूप से परिपूर्ण समझौते में बुनियादी ढांचे का संचालन, रखरखाव, निगरानी तंत्र, पारदर्शिता के उपायों और विवाद समाधान की प्रक्रिया को भी बहुत बढ़िया तरीके से समाहित किया गया है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हरियाणा, राजस्थान और विशेषकर केन्द्रीय जल आयोग ने इस समझौते का जो प्रारूप बनाया है वह आने वाले कई दशकों तक विवादहीन समझौते के रूप में स्थापित रहेगा।

केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल की अध्यक्षता में कुछ ही दिनों में इस समस्या का समाधान निकल गया है। इस समझौते के बाद राजस्थान के सीकर, चूरू और झुंझुनू के साथ–साथ हरियाणा के भिवानी और फतेहाबाद क्षेत्रों में भी पीने का पानी पहुंचाने की व्यवस्था हो जाएगी। शाह ने कहा कि इस समझौते से राजस्थान और हरियाणा, विशेषकर राजस्थान, में पीने के पानी की समस्या के निवारण में बहुत सहायता मिलेगी। जो पानी किसी काम नहीं आ रहा था, इस समझौते के बाद अब वह पानी लोगों की प्यास बुझाने और बड़े तालाबों में संचयित होकर भूजलस्तर बढ़ाने के काम आएगा। इस परियोजना का उद्देश्य पश्चिमी यमुना नहर से भूमिगत पाइपलाइन के जरिए राजस्थान के हिस्से का यमुना का पानी पहुंचाना है। इससे राज्य, अपर यमुना बेसिन के इस्तेमाल लायक सतही पानी के बंटवारे पर 1994 के समझौते के तहत मिले पानी का सही तरीके से इस्तेमाल कर पाएगा। इस परियोजना से राजस्थान के सूखे और कम बारिश वाले इलाकों में पीने के पानी की निरंतर आपूर्ति होगी। सामाजिक–आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। इससे लाखों लोगों को फायदा होगा। यह समझौता केन्द्र सरकार और समझौते में शामिल राज्य सरकारों के एकजुट प्रयासों से परियोजना को समय पर लागू करने की नींव रखने का काम करेगा। इस अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल और केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने राज्यसभा सांसद के तौर पर ली शपथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को संसद भवन में राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। वे कर्नाटक से फिर से निर्वाचित होकर संसद के उच्च सदन में पहुंचे हैं। भारत के उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मल्लिकार्जुन खरगे के शपथ ग्रहण के दौरान कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा समेत कई वरिष्ठ नेता और गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। मल्लिकार्जुन खरगे वर्तमान में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के साथ–साथ राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष की भी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। हाल ही में कर्नाटक से निर्विरोध निर्वाचित होने के बाद यह उनका नया कार्यकाल है, जिससे वे उच्च सदन में विपक्ष का नेतृत्व जारी रखेंगे। सोमवार को राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ ग्रहण के बाद मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, उन्हें एक बार फिर राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ लेने का अवसर मिला है। उन्होंने इसे अपने लिए गर्व और बड़ी जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि वे नेता प्रतिपक्ष के रूप में उच्च सदन में जनता की आवाज बुलंद करने के अपने दायित्व का पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे। खरगे ने उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन तथा उपसभापति हरिवंश के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर मल्लिकार्जुन खरगे ने कांग्रेस नेतृत्व खासकर सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के सांसदों, पार्टी कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों का भी आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन और संसदीय सेवा की उनकी लंबी यात्रा में सभी का विश्वास और समर्थन उनकी सबसे बड़ी शक्ति रहा है। उन्होंने विभिन्न राजनीतिक दलों के फ्लोर नेताओं खासकर इंडी गठबंधन और विपक्ष के सहयोग के लिए भी धन्यवाद दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी मानसून सत्र में विपक्ष पहले से अधिक समन्वय के साथ काम करेगा और सरकार को जनता के प्रति अधिक जवाबदेह बनाने की कोशिश करेगा। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि विपक्ष का सबसे बड़ा दायित्व देश की जनता की समस्याओं, आकांक्षाओं और आवाज को पूरी ईमानदारी, दृढ़ता और प्रतिबद्धता के साथ संसद में उठाना है।

फास्ट न्यूज

राम के नाम पर भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं : पवन खेड़ा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया अध्यक्ष पवन खेड़ा ने बीजेपी और आरएसएस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भगवान राम के नाम पर भ्रष्टाचार स्वीकार नहीं कर सकते। राजधानी रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में अयोध्या में राम मंदिर से जुड़े कथित चोरी के मामले पर कहा कि पूरा राम मंदिर ट्रस्ट एक ऐसा प्रयोग था, जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का था। उनकी निगरानी में था। इसकी गतिविधियों पर प्रधानमंत्री कार्यालय की भी नजर रही है। अभनपुर में कांग्रेस शहर व जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने के लिए छत्तीसगढ़ पहुंचे खेड़ा ने कहा कि भगवान राम सिद्धांत के लिए राजपाठ छोड़ दिए। उस भगवान राम के नाम पर सत्ता भी हासिल करेंगे और चोरी करेंगे, यह संभव नहीं है।

भड़काऊ बयान पर घिरे हुमायूं कबीर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि भाजपा सरकार राज्य में कानून का राज स्थापित करेगी। उन्होंने आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के विधायक हुमायूं कबीर पर रेजीनगर विधानसभा सीट के उपचुनाव में मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने के उद्देश्य से भड़काऊ बयान देने का आरोप लगाया। शुभेंदु ने कहा कि मुर्शिदाबाद जिले में दो हालिया जन सभाओं में मुख्यमंत्री और सरकारी तंत्र के खिलाफ हुमायूं कबीर द्वारा की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों के संबंध में उनके विरुद्ध दो आपराधिक मामले दर्ज किये गए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस कानून के अनुसार कार्रवाई करेगी।

मेजा के सपा विधायक के खिलाफ फूटा गुस्सा, अखिलेश से शिकायत करने पहुंचे सपाई

प्रयागराज। मेजा के सपा विधायक संदीप पटेल के खिलाफ उनकी पार्टी के लोगों ने ही मोर्चा खोल दिया है। प्रयागराज पहुंचे अखिलेश यादव से शिकायत करने के लिए मेजा विधानसभा क्षेत्र के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी विधायक के खिलाफ नारे लिखकर पहुंचे। मेजा के सपा विधायक संदीप पटेल के खिलाफ उनकी पार्टी के लोगों ने ही मोर्चा खोल दिया

है। प्रयागराज पहुंचे अखिलेश यादव से शिकायत करने के लिए मेजा विधानसभा क्षेत्र के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी विधायक के खिलाफ नारे लिखकर पहुंचे। अखिलेश तुमसे बैर नहीं, संदीप तुम्हारी खैर नहीं, ठेकेदार विधायक चाहिए, संदीप हटाओ मेजा बचाओ आदि का नारा लगाया गया। कहा कि सपा विधायक संदीप ने क्षेत्र में कोई कार्य नहीं कराया है। कार्यकर्ताओं को मान सम्मान नहीं मिल रहा है जिससे वह काफी उपेक्षित हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि संदीप यादव का टिकट काटकर चाहे जिस जाति और बिरादरी के नेता को टिकट दिया जाएगा उसको जिताने का कार्य किया जाएगा।

परिषदीय विद्यालयों में पर्यावरण संरक्षण की मुहिम को मिलेगा बल

प्रयागराज। समग्र शिक्षा अभियान के तहत परिषदीय विद्यालयों में पर्यावरण संरक्षण और सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए इको क्लब फॉर मिशन लाइफ को नया बल जुलाई से मिलेगा। इसके लिए सभी विद्यालयों को वित्तीय वर्ष 2026–27 में पांच हजार रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। विद्यालयों को प्रत्येक माह इको क्लब की बैठक आयोजित करने, वार्षिक कार्ययोजना तैयार करने, गतिविधियों का दस्तावेजीकरण करने और सभी रिपोर्ट इको क्लब फॉर मिशन लाइफ पोर्टल पर अपलोड करना होगा। राज्य परियोजना निदेशक ने सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किया है। निर्देशों के अनुसार विद्यालयों में इको क्लब के माध्यम से पौधरोपण, जल संरक्षण, स्वच्छता अभियान, कचरा प्रबंधन, ऊर्जा संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण, जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर विद्यार्थियों को जागरूक किया जाएगा।

पहेली बना मानसून, लगातार दूसरे दिन प्रयागराज यूपी में सबसे गर्म

प्रयागराज। मानसून लोगों के लिए पहेली बन गया है। न तो बारिश हो रही है न ही धूप और उमस कम हो रही है। इस बीच लगातार दूसरे दिन प्रयागराज 43.4 डिग्री सेल्सियस के साथ उत्तर प्रदेश में सबसे गर्म जिला रहा। सरकारी दस्तावेजों और मौसम विभाग की गणित के आधार पर 16 से 20 जून के बीच मानसून आ जाता है लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। हालांकि इस बीच उमस भरी गर्मी ने लोगों की परेशानी जरूर बढ़ा दी है। तेज धूप की वजह से लोग घरों से निकलने से बच रहे हैं। वहीं शाम के समय भी मौसम में उमस का असर कम नहीं हो रहा है। वहीं, मौसम विभाग के अनुसार, मानसून आने में दो दिन की और देरी हो सकती है।

पीआरवी–112 में तैनात 518 पुलिस कर्मियों के कार्यक्षेत्र बदले

प्रयागराज। आपातकालीन सेवा पीआरवी–112 की बिगड़ती कार्यप्रणाली और बढ़ती शिकायतों को देखते हुए बदला फेरबदल किया गयाा। पीआरवी में तैनात 518 पुलिस कर्मियों के कार्यक्षेत्र बदले गए हैं। यह कदम खराब रैंकिंग समेत अन्य शिकायतों को देखते हुए उठाया गया है। अफसरों की समीक्षा के दौरान सामने आया कि कई पुलिसकर्मी तीन से छह वर्षों से एक ही पीआरवी या क्षेत्र में तैनात थे। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद पुलिस कमिश्नर ने जांच कराई। इसके बाद फेरबदल का फैसला लिया। नई तैनाती के तहत शहर में लंबे समय से तैनात कई पुलिसकर्मियों को देहात की पीआरवी में भेजा गया है, जबकि गंगापार में तैनात जवानों की पोस्टिंग यमुनापार क्षेत्र में की गई है। पुलिस कमिश्नर जोगिंदर कुमार के मुताबिक, पिछले छह महीनों से 112 सेवा की रैंकिंग लगातार गिर रही थी। इसे देखते हुए फेरबदल किया गया है। इससे 112 सेवा की कार्यक्षमता और जनता को मिलने वाली त्वरित पुलिस सहायता में अवश्य सुधार होगा।

गंगा स्नान से लौट रही महिला सिपाही की मां बस से टकराई, मौत

प्रयागराज। तेलियरगंज स्थित मेहंदौरी पुलिस चौकी के पास रविवार दोपहर निजी बस से टकराकर महिला सिपाही की मां की मौत हो गई। बाइक चला रहा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। चालक बस को सिविल लाइंस में छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने बस को कब्जे ले लिया है।

अमेठी के खडहर पीपापुर निवासी कमलेश कुमारी (55) पत्नी उमा प्रसाद मौर्य, बेटी पूनम मौर्य से मिलने प्रयागराज आई थीं। पूनम झूंसी थाने में कांस्टेबल के पद पर तैनात हैं। रविवार को कमलेश अपने परिचित सुधीर के साथ बाइक से रसूलाबाद घाट पर गंगा स्नान गई थीं। दोपहर करीब साढ़े तीन बजे लौटते समय मेहंदौरी पुलिस चौकी के पास बस से बाइक टकरा गई। हादसे में कमलेश की मौके पर ही मौत हो गई। सुधीर गंभीर रूप से घायल है। शिवकुटी थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह ने बताया कि चालक की तलाश की जा रही है।

इविवि व कॉलेजों की 15 हजार से अधिक यूजी सीटों पर जल्द शुरू होंगे दाखिले

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय और उसके संघटक महाविद्यालयों में इस बार स्नातक (यूजी) सत्र समय पर शुरू होने की उम्मीद है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने 15 हजार सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया की तैयारियां तेज कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन अब सीयूईटी से यह अंतिम डाटा मिलने का इंतजार कर रहा है कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय को कितने अभ्यर्थियों ने अपनी प्राथमिकता में चुना है। इसके आधार पर मेरिट तैयार कर प्रवेश प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। जुलाई के पहले पखवाड़े में प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू होगा जबकि चौथे सप्ताह से ऑनलाइन काउंसलिंग के माध्यम से दाखिले की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। लक्ष्य है कि अगस्त के अंत तक प्रवेश पूरा कर नियमित कक्षाएं शुरू करा दी जाएं।

प्रयागराज से युवाओं को साधने में जुटीं पार्टियां, सपा-कांग्रेस इस मुद्दे पर मुखर, भाजपा ने बनाया ये प्लान

प्रयागराज। यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टियां प्रयागराज से प्रदेश के युवाओं को साधने में जुटीं हैं। युवाओं के मुद्दे पर सपा और कांग्रेस मुखर है तो भाजपा ने सीधे उन्हें मैदान पर उतार दिया है। 2017 का विधानसभा चुनाव भर्तियों में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर ही लड़ा गया था।

प्रमुख राजनीति दलों ने प्रयागराज से उत्तर प्रदेश के युवाओं को साधने के लिए पूरा जोर लगा दिया है। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले विपक्ष बेरोजगारी और पेपर लीक जैसे मुद्दों पर हमलावर है तो सत्ता पक्ष ने उसे जवाब देने के लिए युवाओं को ही सीधे मैदान पर उतार दिया है।

भर्तियों में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भाजपा ने 2017 के चुनाव में प्रदेश की सत्ता हासिल की थी। युवाओं से किए गए अपने वादे को पूरा करने हुए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की भर्ती परीक्षाओं में धांधली के आरोपों की सीबीआई जांच भी शुरू करा दी थी। आठ साल बाद अब विपक्ष इसी मुद्दे पर प्रदेश सरकार को घेर रहा है। पेपर लीक व भर्तियों में भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाकर सत्ता पक्ष पर निशाना साध रहा है।

एक तरफ कांग्रेस ने इस मुद्दे पर अभियान छेड़ रखा है और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 19 जुलाई को छात्रों से संवाद के लिए प्रयागराज पहुंच रहे हैं। उनके साथ कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी का भी प्रयागराज आने का कार्यक्रम बन रहा है। वहीं, रविवार को प्रयागराज पहुंचे सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भी भर्तियों में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी व पेपर लीक जैसे मुद्दे पर प्रदेश सरकार को घेरा।

दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा (भाजयुमो) और भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी में प्रदेश के युवाओं को महत्वपूर्ण पद देकर भाजपा ने भी एक बड़ा संदेश दिया है। एबीवीपी में सक्रिय रहे इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष रोहित मिश्रा को भाजयुमो का प्रदेश अध्यक्ष बनाकर युवाओं को साधने की एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

वहीं, भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी में प्रयागराज की युवा महिला नेता डॉ. कीर्तिका अग्रवाल को उपाध्यक्ष बनाकर भी संदेश देने की कोशिश की गई है कि प्रदेश में भाजपा की डोर अब युवा नेताओं के हाथ में जा रही है। यूपी के अन्य जिलों के मुकाबले प्रयागराज में प्रतियोगी छात्रों की संख्या से सबसे अधिक है। इनमें बड़ी संख्या पूर्वांचल के छात्रों की है, जो यहां रहकर परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। ऐसे में प्रयागराज से प्रदेश को युवाओं को बड़ा संदेश दिया जा सकता है।

2027 के रण फतह के लिए मुलायम के करीबियों से लिया आशीर्वाद

प्रयागराज। पूर्व मुख्यमंत्री व सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रयागराज दौरे के पहले दिन रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री व रक्षा मंत्री तथा अपने पिता मुलायम सिंह यादव के पुराने और नजदीकी सहयोगियों से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया।

पूर्व मुख्यमंत्री व सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रयागराज दौरे के पहले दिन रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री व रक्षा मंत्री तथा अपने पिता मुलायम सिंह यादव के पुराने और नजदीकी सहयोगियों से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। ये मुलाकातें आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं।

सपा मुखिया 2027 के रण फतह में कोई कोर कसर छोड़ना नहीं चाहते हैं। इसी के तहत वह पार्टी के वरिष्ठ व अनुभवी नेताओं से मिले। उन्होंने चुनावी रणनीति को धार देने के क्रम में गहन विचार–विमर्श किया। साथ ही सभी को आगामी चुनावों के लिए कमर कसने का संदेश दिया। अखिलेश का प्रयागराज दौरा केवल राजनीतिक मुलाकातें भर नहीं है। यह परिपक्वता और पुराने अनुभवों को नए नेतृत्व से जोड़ने का एक मजबूत प्रयास भी है।

उन्होंने मुलायम सिंह यादव के जिन सहयोगियों से आशीर्वाद

और मार्गदर्शन प्राप्त किया उसे पार्टी की चुनावी रणनीति का एक अहम हिस्सा माना जा रहा है। इस दौरे से पार्टी को कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ने की भी पूरी उम्मीद है। पार्टी नेताओं के मुताबिक यह पहली बार है जब राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने दौरे के दौरान आठ से अधिक वरिष्ठ नेताओं के घर जाकर उनसे व्यक्तिगत मुलाकात की है। इसे पार्टी के भीतर एकजुटता बढ़ाने व पुराने नेताओं के अनुभवों का लाभ उठाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

इन नेताओं से मिलने पहुंचे अखिलेश

सपा मुखिया ने रविवार को मुलाकातों की शुरुआत अशोक नगर स्थित विधायक विजमा यादव के आवास से की। इसके बाद वह पूर्व सांसद व प्रदेश की सपा सरकार में मंत्री रहे रेवती रमण सिंह के आवास पर पहुंचे।

मुलायम के करीबी रहे रेवती से उन्होंने आशीर्वाद लिया और 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा की। इसके अतिरिक्त उन्होंने करेली निवासी पूर्व विधायक हाजी परवेज अहमद और महानगर अध्यक्ष इफ्तेखार अहमद से भी मुलाकात की।

बीमार चल रहे महानगर उपाध्यक्ष इसरार अंजूम के घर पहुंचकर अखिलेश यादव ने उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और कुशल क्षेम पूछा। पूर्व विधायक दिवंगत आसिम जाफरी और महानगर के महासचिव रवींद्र यादव के घर जाकर भी सपा प्रमुख ने उनके परिवारजनों से बातचीत की। पिता के पुराने सहयोगी रहे पूर्व मंत्री सलीम इकबाल से भी मिले। इस दो दिनी दौरे में अखिलेश यादव का अधिक से अधिक पार्टी नेताओं व जुझारू कार्यकर्ताओं से मिलने–जुड़ने की योजना है।

मायके से आर्थिक मदद मिलने पर भी भरण–पोषण की जिम्मेदारी से नहीं बच सकते

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किसी महिला को उसके माता–पिता आर्थिक सहायता दे रहे हैं तो इसे उसकी आय नहीं मानी जा सकती है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किसी महिला को उसके माता–पिता आर्थिक सहायता दे रहे हैं तो इसे उसकी आय नहीं मानी जा सकती है। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की एकल पीठ ने बुलंदशहर के परिवार न्यायालय का आदेश आंशिक रूप से निरस्त कर पत्नी और दो नाबालिग बच्चों के भरण–पोषण में वृद्धि कर दी।

याची की शादी 2007 में पंकज के साथ हुई थी। दंपती के दो पुत्र हैं। पत्नी का आरोप था कि विवाह के बाद उसे प्रताड़ित किया गया। जनवरी

2020 में उसे दोनों बच्चों सहित घर से निकाल दिया। इसके बाद वह अपने मायके में रहने लगी। उसने भरण–पोषण के लिए परिवार न्यायालय में वाद दायर किया, जिसे खारिज कर दिया गया। इसे याची पत्नी ने हाईकोर्ट में चुनौती दी।

पत्नी ने कोर्ट को बताया कि उसकी कोई स्वतंत्र आय नहीं है और वह माता–पिता पर निर्भर है। वहीं, पति ने दावा किया कि पत्नी बिना किसी उचित कारण के घर छोड़कर चली गई थी। वह सेना से सेवानिवृत्त होकर लगभग 21 हजार रुपये मासिक पेंशन प्राप्त कर रहा है। वहीं, पत्नी को अपने माता–पिता से आर्थिक सहायत मिलती है। हाईकोर्ट ने कहा कि पति का यह तर्क स्वीकार नहीं किया जा सकता कि पत्नी पिता की कृषि एवं डेयरी कार्य में सहायता करती है। इसलिए वह स्वयं अपना भरण–पोषण कर सकती है। कोर्ट ने पत्नी के लिए पांच हजार रुपये प्रतिमाह व दोनों बच्चों के लिए चार–चार हजार रुपये प्रतिमाह भरण–पोषण निर्धारित किया। यह राशि दो फरवरी 2021 यानी आवेदन दाखिल होने की तिथि से देय होगी।

खतौनी में अंश निर्धारण नहीं तो रजिस्ट्री में देनी होगी हिस्से की जानकारी

प्रयागराज। खतौनी में अगर अंश गाटे का निर्धारण नहीं हुआ है तो जमीन बेचने वाले को रजिस्ट्री में लिखकर देना होगा कि वह जमीन का कितना हिस्सा बेच रहा है। खतौनी में अंश निर्धारण न होने से रजिस्ट्री होने के बाद विवाद सामने आ रहे हैं जिन्हें रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। पिछले दिनों कई ऐसे मामले सामने आए जब मौके पर कब्जा लेने पहुंचे भूमि क्रेता को विरोध का सामना करना पड़ा। पता चला कि उसने जितने क्षेत्रफल की रजिस्ट्री कराई है, उसका कुछ हिस्सा दूसरे के नाम दर्ज है। ऐसे में अब क्रेता को मुकदमा लड़ना पड़ रहा है। ऐसे में यह निर्णय लिया गया कि खतौनी में अगर अंश निर्धारण नहीं है या उसमें त्रुटि है तो संबंधित जमीन की रजिस्ट्री न की जाए।हालांकि, इस निर्णय से सरकार को ही राजस्व का नुकसान होने लगा और फिर तय किया गया कि अगर खतौनी में अंश निर्धारण नहीं है या खतौनी त्रुटिपूर्ण है तो ऐसे मामले में जमीन विक्रेता को रजिस्ट्री में ही लिखकर देना होगा। एआईजी स्टांप राकेश चंद्रा ने बताया कि खतौनी न होने पर रजिस्ट्री में संपत्ति के विक्रेता के अंश की जानकारी दर्ज कराई जा रही है।

समय का हस्ताक्षर खुद बनना पड़ता है... इस सलाह ने बदल दी वकालत की दिशा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता आरती राजे ने अपनी 34 साल की न्यायिक यात्रा के अनुभव साझा किए। उन्होंने वकालत के शुरुआती दिनों का रोचक प्रसंग सुनाया। कहा कि एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने मुझसे कहा था कि समय का हस्ताक्षर खुद बनना पड़ता है।

सीनियर के भरोसे कब तक वकालत करेंगी। इस सलाह ने मेरे पेशेवर जीवन की दिशा बदल दी। आरती ने बताया कि वह एक याचिका पर बहस कर रही थीं। उन्हें उम्मीद थी कि फैसला उनके पक्ष में आएगा। हालांकि, जज साहब ने उस दिन अंतिम आदेश पारित नहीं किया और अगली तारीख लगा दी। इस बीच उनके मुवक्किल ने कहा कि शायद वह जूनियर हैं। इसलिए अदालत ने उनकी दलील गंभीरता से नहीं सुनी। ऐसे में वरिष्ठ अधिवक्ता को शामिल करने की बात कही। उन्होंने यह बात एक वरिष्ठ अधिवक्ता को बात बताई। इस पर वरिष्ठ अधिवक्ता ने उनसे कहा कि समय का हस्ताक्षर खुद बनना पड़ता है। तथ्यों और कानून पर आपकी पकड़ मजबूत है। ऐसे में आपको ही अपना पक्ष रखना चाहिए। आरती ने बताया कि इस प्रेरणा के बाद वह अगले दिन पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी दलीलें रखीं और पक्ष में फैसला आया।

उन्होंने अपना एक और अनुभव साझा किया। बताया कि एक बार वह महिला अधिवक्ताओं के साथ कोर्ट में खड़ी थीं। इस पर कोर्ट ने कहा कि क्या यही संस्कार हैं कि महिलाएं खड़ी रहें और पुरुष बैठे रहें। इसके बाद तुरंत जूनियर अधिवक्ताओं ने सीट खाली कर दीं। यह घटना दर्शाती है कि कोर्ट कानून के साथ गरिमा, सम्मान और संस्कार को भी महत्व देता है।

युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं सत्य प्रकाश मालवीय : अनुग्रह नारायण

प्रयागराज। अखिल भारतीय मालवीय सभा की ओर से रविवार को भारतीय पुस्तकालय में पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्य प्रकाश मालवीय की जयंती श्रद्धा, सम्मान और सामाजिक सरोकारों के साथ मनाई गई। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक अनुग्रह नारायण ने कहा कि सत्य प्रकाश मालवीय की सिद्धांतों के प्रति अटूट निष्ठा आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। सभा के वरिष्ठ

सदस्य अशोक कुमार मालवीय ने कहा कि सत्य प्रकाश मालवीय संतस्वभाव, दयालु और समाजसेवा को जीवन का धर्म मानने वाले व्यक्तित्व थे। इस दौरान रोहित मालवीय के संकलन संस्कार संस्करण का अतिथियों ने विमोचन किया। भव्या मालवीय ने गणेश वंदना तथा सृष्टि मालवीय और श्रेष्ठा ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर माहौल को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर समाज, शिक्षा और जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले रामजी केसरवानी, सुनीता चोपड़ा, अमिताभ टंडन, निखिल पांडेय और स्वतंत्र देव पांडेय को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन मृदुल मालवीय ने और धन्यवाद ज्ञापन प्रखर मालवीय ने दिया। इस दौरान अशोक कुमार मालवीय, ज्योति दुबे, पूनम मालवीय, डॉ. अन्नपूर्णा मालवीय, सौरभ मालवीय, गोपाल मालवीय, रोहित मालवीय आदि रहे।

हाईकोर्ट की पुलिस को फटकार, कहा–चरित्र प्रमाणपत्र बनाए हैं या निंदा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने औरैया पुलिस की ओर से जारी चरित्र प्रमाणपत्र पर नाराजगी जताई। कहा कि यह चरित्र प्रमाणपत्र है या निंदा प्रमाणपत्र...। किसी के विरुद्ध दर्ज सिर्फ आपराधिक मामलों का विवरण ही देना चरित्र प्रमाणपत्र नहीं है। इसमें व्यक्ति के सामाजिक आचरण, प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता का मूल्यांकन भी होना चाहिए। यह तल्ख टिप्पणी न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति अरुण कुमार की खंडपीठ ने औरैया थाना क्षेत्र के सुमित सिंह की याचिका पर की। सुमित का भारतीय सेना में चयन हो गया था। उसे 10 दिन का वक्त दिया गया था। थाने से चरित्र प्रमाणपत्र नहीं बनने पर उसने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इसके बाद कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने अदालत में चरित्र प्रमाणपत्र पेश किया तो उसमें याची के खिलाफ दर्ज एक आपराधिक मुकदमे का उल्लेख था। उसमें याची के सामान्य चरित्र, सामाजिक व्यवहार और प्रतिष्ठा के संबंध में जानकारी नहीं थी। इस पर कोर्ट ने कहा कि चरित्र प्रमाणपत्र का उद्देश्य व्यक्ति के समग्र व्यक्तित्व का मूल्यांकन करना है, न कि केवल उसके खिलाफ दर्ज मामलों की सूची उपलब्ध कराना। कोर्ट ने औरैया के एसपी को निर्देश दिया है कि 24 घंटे के अंदर याचिकाकर्ता को नया, व्यापक और वास्तविक चरित्र प्रमाणपत्र जारी कराएं। साथ ही 29 जून तक इस संबंध में व्यक्तिगत हलफनामा भी दाखिल करें। 29 जून को दोपहर दो बजे मामले की सुनवाई होगी। याची सुमित सिंह के खिलाफ घायल करने, धमकी देने, गालीगलौज व अन्य आरोप में औरैया थाने में प्राथमिकी दर्ज है।

डायलिसिस के लिए तीन महीने का इंतजार

प्रयागराज। स्वरूपरानी नेहरू (एसआरएन) चिकित्सालय में डायलिसिस के लिए मरीजों को तीन–तीन महीने का इंतजार करना पड़ रहा है। मरीजों की संख्या के सापेक्ष बेड सीमित होने से स्थिति और खराब हो गई है। एसआरएन अस्पताल में किडनी रोग विशेषज्ञ कई जिलों के मरीजों का इलाज करते हैं। अस्पताल में प्रतापगढ़, कौशाम्बी, चित्रकूट, बांदा, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, मछली शहर व सुल्तानपुर व मध्य प्रदेश के रीवा से किडनी रोगी डायलिसिस कराने आते हैं। वहीं, अस्पताल में डायलिसिस के सिर्फ नौ बेड हैं। यहां पर चार शिफ्ट में 36 मरीजों की डायलिसिस की जाती है। इसके बाद भी अधिकांश मरीजों को दो से तीन महीने तक स्लॉट नहीं मिल पाता। वर्तमान में 100 अधिक मरीजों की वेटिंग लिस्ट है। मरीजों की समस्या को देखते हुए किडनी रोग विभाग की तरफ से मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज को डायलिसिस के बेड बढ़ाने का प्रस्ताव भेजा गया था लेकिन जगह के अभाव में बेड नहीं बढ़े। किडनी रोगियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। इस वजह से डायलिसिस में मरीजों की संख्या बढ़ी है।

संक्षिप्त

दो जगह लगी आग, जूते-चप्पल की दुकान और अपार्टमेंट में मची अफरा-तफरी

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सोमवार को आग लगने की दो अलग-अलग घटनाओं से अफरा-तफरी मच गई। पहली घटना विकासनगर इलाके में जूते-चप्पल की एक दुकान में हुई, जबकि दूसरी घटना चिनहट क्षेत्र के एक अपार्टमेंट की पांचवीं मंजिल पर सामने आई। दोनों मामलों में दमकल और पुलिस की तत्परता से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि किसी भी घटना में जनहानि नहीं हुई। पुलिस के अनुसार, विकासनगर में महावीर इंटर कॉलेज के सामने स्थित बाजार में दोपहर करीब 12 बजे एक इमारत के भूतल और पहली मंजिल पर संचालित जूते-चप्पल की दुकान में आग लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। एहतियात के तौर पर आसपास की इमारतों को खाली कराया गया और घरों में रखे एलपीजी सिलेंडर व अन्य ज्वलनशील सामान को सुरक्षित स्थान पर हटाया गया। दमकल की दो गाड़ियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। वहीं, दूसरी घटना चिनहट थाना क्षेत्र में रामा डिग्री कॉलेज के पास स्थित एक अपार्टमेंट में हुई। यहां पांचवीं मंजिल पर बने एक कमरे में आग लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और करीब आधे घंटे के भीतर आग बुझा दी। संबंधित इमारत का उपयोग होम-स्टे और कार्यालय के रूप में किया जाता है। घटना के समय प्रभावित मंजिल पर तीन लोग मौजूद थे, जिन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आलमबाग में यूवीटी कृष्णा सिनेमाज की दो नई स्क्रीन का भव्य शुभारंभ

लखनऊ (संवाददाता)। आलमबाग स्थित यूवीटी कृष्णा सिनेमाज में शनिवार को स्क्रीन-1 एवं स्क्रीन-2 का भव्य शुभारंभ सांसद एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगदंबिका पाल ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर मुंबई से कुमार आदर्श, हैदराबाद से श्रीनीवास मामिडाला, लखनऊ से ऋषि अरोड़ा, सुमन बागे सहित कई गणमान्य अतिथि एवं यूवीटी सिनेमाज के वरिष्ठ प्रतिनिधि उपस्थित रहे।मुख्य अतिथि जगदंबिका पाल ने कहा कि लखनऊ में विश्वस्तरीय सिनेमा तकनीक और आधुनिक मनोरंजन सुविधाओं का आगमन शहर के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि यूवीटी कृष्णा सिनेमाज की यह पहल राजधानी के मनोरंजन क्षेत्र को नई दिशा प्रदान करेगी। यूवीटी कृष्णा सिनेमाज में अत्याधुनिक प्रोजेक्शन तकनीक, आधुनिक साउंड सिस्टम, डिजिटल टिकटिंग, आरामदायक सीटिंग व्यवस्था तथा प्रीमियम हॉस्पिटैलिटी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे दर्शकों को बेहतर सिनेमाई अनुभव मिलेगा।इस मौके पर यूवीटी कृष्णा सिनेमाज ने ‘समर कम्युनिटी कम्फर्ट’ पहल की भी घोषणा की। इसके तहत भीषण गर्मी को देखते हुए 75 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को निर्धारित समय के दौरान बिना फिल्म टिकट के भी सिनेमा परिसर के पूर्णतः वातानुकूलित वातावरण में निःशुल्क बैठने और विश्राम करने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। संस्था ने इसे समाज सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि मनोरंजन के साथ सामाजिक दायित्वों का निर्वहन भी उनकी प्राथमिकता है।

मौलाना सलमान नदवी का निधन, इस्लामिक जगत में शोक की लहर

लखनऊ (संवाददाता)। इस्लामिक स्कॉलर, विचारक और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) के पूर्व सदस्य मौलाना सैयद सलमान हुसैनी नदवी का सोमवार को लखनऊ में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से देश और विदेश के शैक्षणिक, धार्मिक और सामाजिक हलकों में गहरा शोक है। मुस्लिम धर्म गुरुओं ने कहा कि मौलाना का निधन न केवल हिंदुस्तान के लिए, बल्कि संपूर्ण इस्लामी जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनके जाने से इस्लामिक मुद्दों को उठाने वाली एक सशक्त आवाज खामोश हो गई है। मौलाना सलमान हुसैनी नदवी का जन्म 1954 में उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के सैयद परिवार में हुआ था। वह हजरत मौलाना सैयद मोहम्मद ताहिर हुसैनी के पुत्र और इस्लामी विचारक डॉ. सैयद अब्दुल अली हसनी के नवासे थे। इस पारिवारिक पृष्ठभूमि ने उन्हें एक आध्यात्मिक वातावरण प्रदान किया, जिसने उनके व्यक्तित्व को गहराई और वैचारिक व्यापकता दी। दारुल उलूम नदवतुल उलेमा, लखनऊ से हदीस में फजीलत की शिक्षा हासिल करने के बाद उन्होंने रियाद (सऊदी अरब) स्थित जामिया अल-इमाम मोहम्मद बिन सऊद अल-इस्लामिया से उच्च शिक्षा हासिल की। रियाद में उन्होंने अपने दौर के महान हदीस के विद्वान अल्लामा शेख अब्दुल फतह अबू गुद्दा की देखरेख में शोध कार्य किया। उसके बाद लखनऊ लौटकर दारुल उलूम नदवा में लंबे समय तक शैक्षणिक कार्यों में लगे रहे। मौलाना के निधन से दारुल उलूम नदवा के छात्रों और शिक्षकों में विशेष रूप से मायूसी है।

मोहनलालगंज तहसील परिसर में सपाइयों का प्रदर्शन, राज्यपाल को ज्ञापन भेजा

लखनऊ (संवाददाता)। मोहनलालगंज तहसील परिसर में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को प्रदर्शन किया। उनका आरोप था कि महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याएं, बिजली संकट बढ़ता जा रहा है और कानून-व्यवस्था बिगड़ रही है। प्रदर्शन से पहले सैकड़ों कार्यकर्ता लखनऊ-रायबरेली हाईवे पर भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मार्च निकाला। प्रदर्शन में मोहनलालगंज सांसद आरके चौधरी, पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर, राम लखन यादव, विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष और सांसद प्रतिनिधि उमाशंकर वर्मा सहित बड़ी संख्या में सपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शन के बाद तहसीलदार के माध्यम से राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन सौंपा। धरने को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि प्रदेश में महंगाई लगातार बढ़ रही है। पेट्रोल, डीजल, घरेलू गैस, खाद और अन्य आवश्यक वस्तुओं के दाम आम आदमी की पहुंच से बाहर हो चुके हैं। उन्होंने किसानों को खाद-बीज के लिए हो रही परेशानी और युवाओं में बेरोजगारी और प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने से उपजी निराशा पर भी चिंता व्यक्त की। वक्ताओं ने क्षेत्र में अघोषित बिजली कटौती, जर्जर सड़कों, भ्रष्टाचार और बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर भी सरकार को घेरा। पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने कहा कि सरकार की जनविरोधी नीतियों से हर वर्ग परेशान है।

कृषि विज्ञानी और उद्यमी के रूप में विकसित हों सभी किसान -डॉ. उमर अली शाह

पिठापुरम। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के नौवें पीठाधिपति सद्गुरु डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि किसान देश की रीढ़ होते हैं इसलिए प्रत्येक किसान को कृषि विज्ञानी और उद्यमी के रूप में विकसित होने की जरूरत है। सोमवार को स्थानीय श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ, पिठापुरम के मुख्य आश्रम परिसर में एरुवाका पूर्णिमा के अवसर पर खेत में हल चलाने के बाद डॉ. उमर अली शाह रोपण महोत्सव की अध्यक्षता कर रहे थे।

इस अवसर पर डॉ. उमर अलीशा ने किसान सम्मेलन को संबोधित हुए कहा कि पीठ पूर्णिमा के दिन गाय की पूजा करने और किसान द्वारा खेती शुरू करने की परंपरा को जारी रखने की भारतीय संस्कृति का पालन करते हुए पिछले सात वर्षों से आध्यात्मिक खेती कर रही है।

उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक किसान स्वस्थ तरीके से आधुनिक उपकरणों और उपकरणों का उपयोग करें और जैविक खेती करें, तो अच्छे उत्पाद प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि रसायन मिश्रित उर्वरकों के प्रयोग से मिट्टी को नुकसान होता है जिससे कैंसर जैसी बीमारियाँ फैल रही हैं। उन्होंने आह्वान किया कि यदि जैविक खाद तैयार की जाए और आध्यात्मिक भाव से खेती की जाए तो स्वस्थ उपज से दीर्घायु प्राप्त की जा सकती है और सुखपूर्वक जीवन व्यतीत किया जा सकता है। अल नीनो जैसे संकटों का सामना करते हुए भी, सद्गुरु ने बताया कि दिव्य बीजों के साथ आध्यात्मिक खेती करने से ईश्वर की कृपा फैल सकती है और बिना किसी नुकसान के अमूर्त ऊर्जा की रक्षा की जा सकती है।

इस अवसर पर, डॉ. उमर अली शाह ने कृषि क्षेत्र में मुख्य अतिथियों के साथ भाग लिया। इसके उपरांत आयोजित सभा में प्राकृतिक रूप से खेती कर रहे किसानों रेड्डी रामबाबू, (मम्मीडिवाराम), शेट्टीपाली बाबजी (सीतारामपुरम), श्रीमती गालि बेबी (चिमला वारी गुडेम), मलिरेड्डी वेंकटेश्वर राव (सोमवरम), पैला सत्यनारायण (पोलवरम) को सम्मानित किया गया । तत्पश्चात परभ्रह्मा मोहियद्दीन बादशाह आध्यात्मिक कृषि 2026 पुरस्कार नगुलापल्ली उप्परागूड़म निवासी श्री जक्की श्रीनिवास राव को10 हजार रुपए की नकद पुरस्कार और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके उपरांत इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राजमांहेन्द्रवरम के एंटमालजी कॉर्डिनेटर व मुख्य वैज्ञानिक डॉ. श्री नरसिम्हाराव ने कहा कि किसान आर्थिक विकास हासिल करने के लिए योजनाओं का सदुपयोग करें । एक और विशिष्ट अतिथि पिठापुरम बागवानी अधिकारी श्री वाई सोमशेखर राव ने कहा कि सरकार द्वारा प्रदान की जा रही सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं एक और अतिथि नलगोंडा जिला, अभिनव कार्बनिक किसान और एल पीआर ऑर्गेनिक्स के सीईओ श्री लोकसानी पद्मा रेड्डी ने जैविक उत्पादों से आर्थिक विकास करने के तरीकों से अवगत कराया।

श्री वेंकटेश्वर से पतंजलि फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, एक विकल्प के रूप में फसलों के बारे में बोलते हुए। एक और अतिथि राजामंदेन्द्र अग्रवंडी एग्रोमोमी डी एक टीटी सी सी प्रमुख वैज्ञानिक डॉ। मानुकोंडा श्रीनिवास ने एकीकृत कृषि नीति के बारे में कहा। इस मौसम पर कई अन्य कृषि विशेषज्ञों ने उपयोगी बातें सामने रखीं।

कार्यक्रम के संचालक श्री एवीवी सत्यनारायण ने स्वागत भाषण दिया। धन्यवाद ज्ञापन श्री एन टी वी प्रसाद वर्मा किया। इस अवसर पर उद्योगपति कैप्टन मल्लिकार्जुन और पीठम के संयोजक श्री पेरूरी सुरिबाबु और असंख्य किसानों ने भाग लिया।

विश्व हिन्दी परिषद द्वारा अंतरराष्ट्रीय काव्य गोष्ठी आयोजित

विश्वनाथसविश्व हिन्दी परिषद के तत्वावधान में 27 जून 2026, शनिवार को रात्रि 8 बजे (भारतीय समयानुसार) आभासी मंच पर भव्य –अंतरराष्ट्रीय काव्य गोष्ठी– का आयोजन किया गया। भारत सहित अमेरिका, कनाडा, नीदरलैंड, चीन, जापान, ऑस्ट्रेलिया, कतर आदि देशों के साहित्य साधकों ने सक्रिय सहभागिता कर आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। गोष्ठी का मुख्य केंद्र वर्तमान परिप्रेक्ष्य के ज्वलंत विषय रहे। हिन्दी भाषा का वैश्विक स्वरूप, पर्यावरण संरक्षण, नारी शक्ति – स्वाभिमान एवं सम्मान तथा विश्व शांति जैसे विषयों पर कवियों ने अपनी उत्कृष्ट एवं मार्मिक रचनाएँ प्रस्तुत कीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ अमेरिका से जुड़ीं श्रीमती कादम्बरी शंकर श्आदेशश्र की मधुर सरस्वती वंदना से हुआ। उन्होंने माँ के विविध रूपों के महत्व को रेखांकित करती रचना सुनाई। नीदरलैंड से डॉ. ऋतु श्ननन्नश्र पांडे ने पिता के संघर्षों और बलिदानों को शब्द देते हुए श्रोताओं को भावुक कर दिया।

कनाडा से जुड़ीं डॉ. स्नेहा ठाकुर ने नारी शक्ति पर सशक्त उद्घोष किया – –"नारी हूँ, पुरुष और पुरुषार्थ को जन्म देती हूँ।"– चीन से डॉ. विवेक मणि त्रिपाठी ने नारी की तुलना समुद्र की लहरों से करते हुए कहा, –"नारी भी इसी तरह न रुकती है, न रुकने देती है। अनवरत प्रवाहित होती रहती है।"–

प्रख्यात साहित्यकार श्री मृदुल कीर्ति ने 'नारी और धरती' का तुलनात्मक चित्रण करते हुए कहा – –"धरती के सदृश रत्नगर्भा है नारी, हर युग में न जाने कितने महापुरुषों को जन्म दिया है। अंतस के तरल सूर्य से बहते लावे को सहती है, फिर भी सुकोमलता का संचार करती है।"–

विश्व हिन्दी परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य इंदौर से डॉ.अशोक कुमार भार्गव, आई. ए.एस. ने श्मेरी अलौकिक हिन्दीश शीर्षक से कविता सुनाई – –"हिन्दी के अश्वमेध का घोड़ा सरपट सरपट दौड़ रहा है ,जो कभी हमसे थे आगे उन्हें पीछे पीछे छोड़ रहा है। भारतीय अस्मिता की पहचान यशस्वी हिंदी बन रही विश्व भाषाओं की सिरमौर है , मेरी अलौकिक हिन्दी की बात ही कुछ और है।"– उन्होंने विश्वास जताया कि विश्व में तीसरे स्थान पर काबिज हिन्दी शीघ्र ही प्रथम स्थान पर होगी।

अमेरिका से विश्व हिन्दी परिषद की मनोनीत अध्यक्ष डॉ. दुर्गा सिन्हा 'उदार' ने विश्व शांति विषय पर कहा कि आत्ममंथन व आत्मचिंतन जरूरी है। उन्होंने कविता सुनाई – –"चलो खुद से बातें करें आज जी भर, ये युद्ध और आतंक जीवन से दूर होना चाहिए। शस्त्र नहीं, शास्त्र की जरूरत है। नेह-प्रेम, भाईचारे की जरूरत है।"–

विश्व हिन्दी परिषद की असम शाखा से विनय कुमार श्बुद्धश ने दिए गए विषय से से नारी का सम्मान विषय पर कुछ दोहे और चौपाई का स-स्वर पाठ किया, जिसकी सभी ने सराहना की। तो वही विजय कुमार यादव ने देशभक्ति कविता पेश की। नागपुर से श्री कृष्ण कुमार द्विवेदी ने आशा जगाई – –"मिलेगी मंज़िल मगर धीरे-धीरे।"– इटावा से श्री प्रशांत ने संक्षिप्त प्रस्तुति में हिन्दी भाषा का महत्व बताया। समयाभाव के कारण अन्य रचनाकारों में उड़ीसा से डॉ मनीष कुमार पांडेय, कुवैत से डॉ आरती परिख, महाराष्ट्र से डॉ बालकृष्ण महाजन, पश्चिमी चंपारण से डॉ शिप्रा मिश्रा, पश्चिम बंगाल से श्वेता गुप्ता श्श्वेतांबरीश, छत्तीसगढ़ से डॉ. संगीता सिंह श्बनाफरश, उड़ीसा से विक्रमादित्य सिंह, हरियाणा से दिलबाग सिंह श्अक`लाश, उत्तराखंड से अर्चना त्यागी, नूहं मेवात से डॉ कासम खान आजाद और महाराष्ट्र से पुरुषोत्तम कुंडे ने सारगर्भित ढंग से अपनी बात रखी।

अध्यक्षता कर रहे विश्व हिन्दी परिषद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. विपिन कुमार ने सभी की अभिव्यक्ति की सराहना की। उन्होंने आगामी आयोजनों की जानकारी दी और विश्व में बच्चों को हिन्दी सीखने के लिए प्रेरित करने पर बल दिया।

राष्ट्रीय संपर्क समन्वयक डॉ. नन्दकिशोर साह के कुशल संचालन में दो घंटे से अधिक समय तक कार्यक्रम पूरे जोशो-खरोश से चला। उन्होंने अधिकांश प्रतिभागियों को अपनी बात रखने का अवसर दिया। अंत में विधिवत समापन की घोषणा की गई।

यूपी में 1 जुलाई से स्कूल चलो अभियान का दूसरा चरण

सीएम योगी बोले, हर बच्चे को स्कूल पहुंचाना सबकी जिम्मेदारी

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में एक जुलाई से स्कूल चलो अभियान का दूसरा चरण शुरू होने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों, अभिभावकों और शिक्षकों से इस अभियान को जनआंदोलन बनाने की अपील करते हुए कहा कि प्रदेश का भविष्य तभी उज्ज्वल होगा, जब हर बच्चा शिक्षा से जुड़ेगा। मुख्यमंत्री ने सोमवार को जारी अपने संदेश में कहा कि 1 जुलाई से 15 जुलाई तक चलने वाले अभियान का उद्देश्य कक्षा 1 से 12वीं तक शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना, स्कूल छोड़ चुके बच्चों को दोबारा शिक्षा से जोड़ना और नए शैक्षणिक सत्र में प्रवेश अभियान को गति देना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है और विद्यालय वह पवित्र स्थान है, जहां बच्चों के ज्ञान, संस्कार, व्यक्तित्व और चरित्र का निर्माण होता है। प्राचीन गुरुकुल परंपरा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज के विद्यालय उसी परंपरा का आधुनिक स्वरूप हैं, जहां विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ अनुशासन, जीवन-मूल्य और राष्ट्र निर्माण की भावना भी सिखाई जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब कोई बच्चा पहली बार स्कूल की चौखट पार करता है तो उसके साथ पूरा परिवार, गांव और समाज भी आगे बढ़ता है।

इसी सोच के साथ प्रदेश सरकार ने प्रोजेक्ट अलंकार के माध्यम से माध्यमिक विद्यालयों के आधुनिकीकरण और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार का कार्य किया है। उन्होंने बताया कि शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए सरकार ऑपरेशन कायाकल्प, मिशन प्रेरणा, मिशन निपुण और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय योजना जैसे कार्यक्रम संचालित कर रही है। साथ ही बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए स्कूलों में पौष्टिक और गर्म पका हुआ मध्याह्न भोजन भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

हँसते हुए गुलाब

हँसते हुए गुलाब ने, अदभुत किया कमाल।
उत्तर उनके बन गए, जो थे कभी सवाल।
जो थे कभी सवाल, उन्हीं को अपना कहकर।
खुशबु का उपहार, दिया है उनको जमकर।
सुन लो कहें प्रदीप,चले जो अपने रस्ते।
संकट को कर पार, रह रहे हँसते-हँसते।।

शूलों के आधार पर, हँसते फूल गुलाब।
खुशबू भर संसार में,बने सुगन्धित आब।
बने सुगन्धित आब,रूप औषधि का धरके।
जीवन का हर रंग, सुरक्षित खुद में करके।
सुन लो कहें प्रदीप, हक़ीक़त ख़्वाबों के।
लगे मुलायम दूब, बताते शूलों के।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

भाजपा के महानगर उपाध्यक्ष का मनाया गया जन्मदिन

प्रयागराज।भारतीय जनता पार्टी के चौक मण्डल के कार्यकर्ताओं ने भाजपा महानगर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल केसरवानी झल्लर को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। चौक मण्डल के अध्यक्ष श्री सुमित वैश्य जी ने उन्हें बुके द`कर माल्यार्पण कर और भगवामय पट्टी पहनाकर उनके आवास पर जाकर चौक मण्डल के द्वारा केक काटकर उपाध्यक्ष जी का जन्मदिन जश्न के साथ मनाया।

पदाधिकारियों में मंडल अध्यक्ष सुमित वैश्य मंडल उपाध्यक्ष धीरज केसरवानी कुमकुम श्रीवास्तव गुड्डू कनौजिया पंकज चौरसिया माया चौरसिया पार्षद नीरज टंडन जी ओपी द्विवेदी जी अजय श्रीवास्तव अवधेश श्रीवास्तव आशीष कुशवाहा लोकेंद्र प्रताप सिंह अतुल खन्ना अमित गुप्ता मुन्नालाल केसरवानी मुन्ना गांधी जी राजेश कुमार गुप्ता रेनू चौरसिया पायल गुप्ता सुमित गुप्ता हरिप्रसाद सिंह सोनू मसू अब्बास नकवी आशीष केसरवानी शाश्वत मिश्रा लोग उपस्थित रहे उपरोक्त जानकारी अरविन्द पाण्डेय मीडिया प्रभारी चौक मण्डल ने दी।

इंदौर इकाई की काव्यगोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न

इंदौर। शहर समता विचार मंच इंदौर इकाई जून माह की काव्य गोष्ठी आशा जाकड़ केसंयोजन में काव्य गोष्ठीसफलतापूर्वक संपन्न। कार्यक्रम अध्यक्ष उमा.मिश्रा श्प्रीतिश की अध्यक्षता में

सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि डॉ साधना शुक्ला एवं विशिष्ट अतिथि अनुराधा गर्ग।

काव्य गोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना प्रभा तिवारी के द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन श्रुति चौधरी ने किया। इस काव्य गोष्ठी में डॉ अंजुल कंसल, शोभा रानी तिवारी सुषमा शुक्ला, संतोषतोषनीवाल, सीता सेन,डॉ.शशि निगम, प्रेरणासेन्द्रे, भावना दामले,डॉ शशिकला अवस्थी, मनोरमा जोशी, गायत्री शर्मा आदि की सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चाँद लगा दिये। धन्यवाद ज्ञापन आशा जाकड़ ने किया।

हांगकांग, मकाउ और चायना जाएंगे डॉ. बालकृष्ण पांडेय परेड ऑफ नेशन इंडिया को रिप्रजेंट करेंगे

प्रयागराज। बार एसोसिएशन बोर्ड ऑफ़ रेवेन्यू उत्तर प्रदेश प्रयागराज के अध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संरक्षक, लायंस क्लब इंटरनेशनल ड्रि 321इ के पूर्व रीजन चेयरपर्सन एम. जे. एफ. लायन डॉ बालकृष्ण पांडेय एडवोकेट लायंस इंटरनेशनल के 108 वें इंटरनेशनल कन्वेंशन 2026 के परेड ऑफ नेशन इंडिया को रिप्रजेंट करेंगे जो 30 जून से 7 जुलाई 2026 तक चीन, मकाउ व हॉन्ग कोंग का भ्रमण करेंगे।उक्त जानकारी भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय प्रकाशन सचिव रवीन्द्र नाथ कुशवाहा ने मीडिया को दी। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ ने अपने राष्ट्रीय संरक्षक डॉ बालकृष्ण पांडेय को बधाई दी है।

सम्पादकीय.....

'थानों में रखा जब्त सामान' अब चोरी होने लगा!

सरकार के भरसक प्रयासों के बावजूद देश में अपराधी तत्वों की गतिविधियां लगातार जारी हैं। इनके हौसले इतने बढ़ गए हैं कि अब तो ये पुलिस थानों के परिसरों तथा मालखानों तक में रखे जब्तशुदा सामान तक पर हाथ साफ कर रहे हैं और इसमें कुछ पुलिस कर्मी भी शामिल पाए जा रहे हैं, जिनकी मात्र लगभग 5 महीनों की घटनाएं निम्न में दर्ज हैं। 22 जनवरी को 'बिलासपुर' (छत्तीसगढ़) के थाना परिसर में खड़ी दर्जनों जब्त की गई मोटरसाइकिलों से पैट्रोल और कीमती पार्ट्स की चोरी का मामला सामने आया। कोर्ट से वाहन रिलीज होने का आदेश लेकर पहुंचे पीड़ितों ने शिकायत की कि थाने के अंदर सुरक्षित खड़ी उनकी गाडियों के टायर, साइलैंसर और बैटरियां गायब थीं। लोगों के विरोध के बाद थाना प्रभारी ने रात की गश्त बढ़ाने और परिसर में नए सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाने का आश्वासन दिया।10 मार्च को 'जयपुर' (राजस्थान) में एक मामले के निपटारे के बाद जब कोर्ट के आदेश पर वाहन मालिक पुलिस द्वारा जब्त की गई अपनी गाड़ी लेने थाना परिसर में पहुंचा तो वह यह देख कर हैरान रह गया कि उसकी गाड़ी के टायर, बैटरी और इंजन के कई हिस्से गायब थे। 10 अप्रैल को 'गाजियाबाद' (उत्तर प्रदेश) के 'भोजपुर' थाने के मालखाने से 80,000 रुपए की हेराफेरी करने के आरोप में थाने के हैड मुंशी गजेंद्र सिंह के विरुद्ध केस दर्ज किया गया।12 जून को 'कानपुर' (उत्तर प्रदेश) के 'गोविंद नगर' थाना मालखाने से जुए और सट्टेबाजी के मामलों में जब्त किए गए 41 लाख रुपए गायब पाए गए। यह मामला नए मालखाना इंचार्ज के कार्यभार संभालने के समय सामने आया। इस सिलसिले में पुराने हैड कांस्टेबल 'दिनेश तिवारी' (जो लखनऊ ट्रांसफर हो चुका था) के विरुद्ध अमानत में ख्यानत और हेराफेरी का मामला दर्ज किया गया है।14 जून को 'कानपुर' देहात (उत्तर प्रदेश) के 'मंगलपुर' थाने के मालखाने से 443 जब्त वस्तुएं गायब पाई गईं। इस मामले में लापरवाही और हेराफेरी के आरोप में तत्कालीन मालखाना प्रभारी और वर्तमान उपनिरीक्षक राजेश सिंह को पुलिस अधीक्षक द्वारा निलंबित कर दिया गया। 19 जून को 'सुपौल' (बिहार) के 'प्रतापगंज' थाने के मालखाने में रखा सामान चोरी होने की शिकायत पर यहां रखे सामान की गिनती करने पर वहां रखी कफ सिरप की 6162 बोतलें, गाडियों की बैटरियां तथा पुर्जे गायब होने के सिलसिले में थाने के 4 कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया। 20 जून को 'फतेहाबाद' (हरियाणा) के सदर थाना मालखाने से जब्त की गई अवैध शराब की 211 पेटियां गायब पाई गईं। इस सिलसिले में मालखाना के इंचार्ज हैड कांस्टेबल कमल कुमार को लापरवाही बरतने के आरोप में निलम्बित किया गया।और अब 27 जून को 'फरीदाबाद' (हरियाणा) के सैक्टर-8 पुलिस थाने के मालखाने से लोगों द्वारा सुरक्षा के लिए जमा कराए गए 2 लाख से 12 लाख रुपयों तक की कीमत के कई महंगे विदेशी पिस्टलों सहित 32 लाइसैंसी हथियारों की चोरी का मामला सामने आया। इस सिलसिले में पुलिस ने एक छात्र सहित 20 आरोपियों को पकड़ा है। शुरुआती जांच के बाद मालखाना इंचार्ज ए.एस.आई. बिजेंद्र सिंह की लापरवाही सामने आने पर उसे निलम्बित कर दिया गया है। उक्त घटनाओं से स्पष्टड्ड है कि पुलिस विभाग में ही मौजूद चंद अपराधी तत्वों के सामने पुलिस किस कदर बेबस है। जब लोगों को चोरी-चकारी की घटनाओं से बचाने के लिए कायम की गई पुलिस के थाने में ही चोरी होने लगे तो यह अनुमान लगाना कठिन नहीं कि पुलिस विभाग के चंद सदस्य अपने कर्त्तव्य पालन में किस कदर लापरवाही बरत रहे हैं। अतः ऐसे मामलों में दोषी पाए जाने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की तुरंत जरूरत है।

चुनाव 2027: जीत के लिए सरगर्मियां शुरु, पर लोक भलाई का एजैंडा नहीं

मंगत राम पासला

साल 2027 में होने जा रहे पंजाब विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करने के लिए प्रांत के सभी राजनीतिक दलों ने सरगर्मियां शुरू कर दी हैं। एक तरफ 'आप', कांग्रेस, बसपा और

अकाली दल के विभिन्न धड़े सत्ता पर कब्जा करने के लिए हर तरह के पापड़ बेल रहे हैं। दूसरी तरफ भाजपा भी ये चुनाव जीतने के लिए कई हैरान करने वाले, लेकिन संदेह से भरे पैंतरे अपना रही है। भाजपा, राजनीतिक अवसरवाद और दोहरे मानदंडों के मामले में भी कई नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। इसने सत्ता का डर दिखाकर और धन के लालच के अधीन दल-बदल के निंदनीय चलन को एक 'जायज राजनीतिक सिद्धांत' बना दिया है। साथ ही विभिन्न डेरों के प्रमुखों को भी काबू कर लिया है, ताकि लोगों की धार्मिक आस्था को वोट के रूप में खरीदा जा सके। मनुवाद के इन सूत्रधारों के मनों में आजकल दलितों, विशेषकर वाल्मीकि भाईचारे के प्रति भी खासा 'मोह' जागा हुआ है। जबकि आम जीवन में संघ समर्थित भाजपाई, दलितों के साथ खान-पान के बर्तनों, जल स्रोतों और श्मशान घाटों की सांझ बनाने के भी सख्त खिलाफ हैं। पंजाब के कम्युनिस्टों ने आर.एस.एस. की सांप्रदायिक-फासीवादी विचारधारा के खिलाफ जन-चेतना तेज करने और वामपंथ की मजबूती के लिए सार्वजनिक गतिविधियां तेज कर दी हैं, ताकि भाजपा का पंजाब की सत्ता पर कब्जा करने का हर प्रयास असफल किया जा सके। पंजाब के चुनाव तब होने जा रहे हैं, जब संघ परिवार द्वारा मोदी सरकार के बीते 12 साल के निकम्मे कार्यकाल का जश्न मनाया जा रहा है। मोदी सरकार के कामकाज और बोल-वाणी में दिन-प्रतिदिन बेलगाम बढ़ रही डीजल-पैट्रोल और रसोई गैस की कीमतों, कृषि के लिए अत्यंत आवश्यक खाद की भारी किल्लत, रोजगार की तलाश में दर-दर भटक रहे करोड़ों युवाओं की आहत संवेदनाओं, दो वक्त की रोटी के साधन जुटाने की चिंताओं में दिन काट रहे गरीबों के प्रति न कोई फिक्र दिखाई देती है और न ही इन दुखों के उचित समाधान के लिए कोई सार्थक नीतिगत ढांचा तैयार करने की इच्छा नजर आती है। अमीरी-गरीबी की खतरनाक हद तक बढ़ती खाई और भारतीय मुद्रा की निरंतर गिरती कीमत निकट भविष्य में देश के लिए किसी बड़ी विपदा का कारण बन सकती है। साम्राज्यवाद निर्देशित नव-उदारवादी नीतिगत ढांचे का पिछलग्गू बनने और अमरीका, यूरोपीय संघ व दूसरे पूंजीवादी देशों के साथ असमान शर्तों के तहत किए जा रहे 'विदेशी व्यापार समझौते', भारत जैसे आर्थिक रूप से पिछड़े देश के लिए निश्चित रूप से घातक सिद्ध होंगे। पंजाब,पानी की बढ़ती किल्लत और घटती गुणवत्ता, युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी और नशे के रुझान, गैंगस्टरवाद, दिन-प्रतिदिन बढ़ते अपराधों और प्रदूषित हो रहे पर्यावरण के कारण लगातार गिरावट की ओर धंसता जा रहा है। राजनीतिक अवसरवाद और बढ़ते भ्रष्टाचार ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। सरकारें चला रहे आज के राजनेता और नौकरशाह सत्ता का आनंद लेने और भ्रष्टाचार के माध्यम से बेहिसाब माया इकट्ठा करने की होड़ में लगे हुए हैं। समाज के प्रति अपने संवेदनहीन रवैये के कारण, आम जनता का कुछ भला सोचने या करने का इनके पास न तो समय है और न ही इनका ऐसा कोई इरादा है। विधानसभा चुनावों के दौरान सिखों के वोट हासिल करने के लिए आर.एस.एस.ए भाजपा और संघ परिवार ने तो राजनीतिक-वैचारिक अवसरवाद की सारी सीमाएं ही लांघ दी हैं। 6 जून 1984 को घटित हृदय विदारक 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' को सभी लोग, विशेषकर सिख जनसमूह कभी भी भुला नहीं सकते। अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण ऑपरेशन 'ब्लू स्टार' के खिलाफ रोष प्रकट करने के लिए 'दमदमी टकसाल' के मुख्यालय मेहता चौक पर हर साल धार्मिक समागम आयोजित किए जाते हैं। इस साल, 6 जून 2026 को आयोजित ऐसे ही एक समागम में पहुंचकर भाजपा के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र राज्य सरकार के एक मंत्री 'श्रीमान' गिरीश महाजन ने उन सभी को हैरान-परेशान कर दिया है जो हिंदू राष्ट्र की पैरोकार भाजपा और खालिस्तान की समर्थक दमदमी टकसाल को अब तक एक-दूसरे का दुश्मन समझते आए हैं। मंत्री जी ने अपने भाषण में 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए दिवंगत श्रीमती इंदिरा गांधी को पानी पी-पीकर कोसा था। इतना ही नहीं, मंत्री साहब ने भारतीय सेना की गोलीबारी में मारे गए उन सशस्त्र व्यक्तियों को 'शहीद' के दर्जे से भी नवाजा, जिन्हें भाजपा नेता अब तक आतंकवादी और देशद्रोही कहते रहे हैं। हमारी शिकायत सिर्फ भाजपा नेता के भाषण को लेकर नहीं है, बल्कि संघ-भाजपा के दोमुंहे चरित्र और सिखों के वोट हासिल करने के लिए इनके द्वारा चली जा रही कुचालों को लेकर है। याद रहे, पंजाब के काले दौर में संघी और भाजपाई नेता आम सिखों और हिंसक गतिविधियों को अंजाम देने वाले मुट्ठी भर सशस्त्र खालिस्तानियों के बीच कोई अंतर नहीं समझते थे। तब ये समय की सरकारों को सभी सिखों से सख्ती से निपटने की सलाह देते रहे थे। पंजाब की सत्ता पर भाजपा का कब्जा होने का अर्थ यहां के लोगों के मनों के अंदर भाईचारे, सांप्रदायिक सद्भाव और मिलजुलकर शांतिपूर्वक जीने की संस्कृति को तबाह करना होगा। संघ-भाजपा की इस खतरनाक साजिश को विफल करने के लिए पंजाब वासियों के पास राजनीतिक और वैचारिक विधान भी है, अपनी समृद्ध संस्कृति, बलिदानों से भरा गौरवमयी इतिहास और सिख गुरु साहिबान व भक्ति आंदोलन के महान मार्गदर्शकों द्वारा रचित मानवीय वाणी का खजाना भी है। पंजाबी, गदरी बाबों और शहीद-ए-आजम भगत सिंह व उनके साथियों की सांझीवालता (समानता)वाला समाज बनाने के लिए स्थापित की गई बलिदानों की बेमिसाल विरासत के मालिक भी हैं। इसके बल पर ये सांप्रदायिक-फासीवादी, विभाजनकारी सोच वाली संघ- भाजपा जैसी नकारात्मक ताकतों को हर क्षेत्र में मात दे सकते हैं।

ईरान परमाणु बम के कितना करीब था?

मनीष तिवारी

जब अमरीका और इसराईल ने जून 2025 में और फिर से फरवरी 2026 के बाद से ईरान पर बमबारी करने का फैसला किया, तब क्या ईरान परमाणु बम बनाने के करीब था? क्या यह एक और छलावा था, जैसा कि मध्य पूर्व में संयुक्त राज्य अमरीका के प्रताडित और जटिल इतिहास तथा 1948 से इस क्षेत्र में इसराईल के अंतहीन युद्धों के दौरान पहले भी अनगिनत बार हो चुका है। इसके विपरीत, क्या यह एक ऐसी अमंगलकारी स्थिति को शुरुआत में ही कुचलने और पहले से ही प्रतिबंधित करने का प्रयास था, जो आने वाले निकट भविष्य में खतरनाक रूप से प्रकट हो सकती थी? अमरीका- इसराईल हमले के 11 दिन बाद scientificamerican-com वैबसाइट पर प्रकाशित एक रिपोर्ट में, 'जेम्स मार्टिन सैंटर फॉर नॉन-प्रोलिफरेशन स्टडीज' के निदेशक और 'मिडलबरी इंस्टीच्यूट ऑफ इंटरनैशनल स्टडीज' के प्रोफैसर जैफरी लुईस के हवाले से कहा गया था कि इस बात का कोई सबूत नहीं था कि ईरान परमाणु हथियार के करीब था। उनके इन अवलोकनों का अन्य स्वतंत्र विशेषज्ञों ने भी समर्थन किया था। ये आकलन व्यापक रूप से जून 2025 में 'अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजैंसी' (आई.ए.ई.ए.) के पिछले निर्धारण के अनुरूप हैं। ईरानी परमाणु पहेली पर ओपन-सोर्स रिपोर्टिंग के अनुसार, अमरीकी खुफिया एजैंसियों के समय-समय पर आने वाले अनुमानों ने भी इन आकलनों पर सहमति जताई थी। जून 2025 के आई.ए.ई.ए. के एक अनुमान ने संकेत दिया था कि ईरान के पास 441 किलोग्राम (60 प्रतिशत) संवर्धित यूरेनियम था, जहां प्रतिशत का तात्पर्य सामग्री में पाए जाने वाले आइसोटोप यूरेनियम 235 की हिस्सेदारी से है। इतिहास पर थोड़ा पीछे नजर डालें तो, ईरान 1957 से अमरीकी राष्ट्रपति आइजनहावर के 'एटम्स फॉर पीस' कार्यक्रम की बदौलत परमाणु खोज में लगा हुआ है। यह उस दौर की बात है जब शाह रजा मोहम्मद पहलवी के शासनकाल के दौरान ईरान अमरीका का सहयोगी था। 1979 की इस्लामी क्रांति में शाह का तख्तापलट कर दिया गया और अगले वर्ष 22 सितंबर 1980 को सद्दाम हुसैन के शासन वाले ईराक ने ईरान पर आक्रमण कर दिया। अगले दशक के दौरान, ईरानी रणनीतिक विचारकों की एक पूरी पीढ़ी ने एक बहुत ही महत्वपूर्ण रणनीतिक सबक को अपने भीतर समाहित कर लिया, क्योंकि पश्चिम ने ईराक को हथियारों की आपूर्ति की और संयुक्त राष्ट्र (यू.एन.) सहित वैश्विक संगठनों ने तब आंखें मूंद लीं जब सद्दाम हुसैन ने ईरानी सैनिकों और नागरिकों पर रासायनिक और अन्य परिष्कृत हथियारों का इस्तेमाल किया। सीख यह थी कि जब तक ईरान के पास परमाणु हथियारों की कमी रहेगी, पड़ोस का कोई भी तानाशाह या दूर बैठा कोई वर्चस्ववादी उसकी संप्रभुता का उल्लंघन कर सकता है। इस प्रकार रणनीतिक स्वायत्तता और एक विश्वसनीय निवारक क्षमता हासिल करने के लिए परमाणु हथियारों की ओर ईरान का गुप्त मार्च शुरू हुआ। यहीं पर पाकिस्तान का कनैक्शन सामने आया। ए.क्यू. खान, जो 'परमाणु प्रसार के वॉलमार्ट' पर राज करते थे, ने ईरान को परमाणु सामग्री की आपूर्ति शुरू कर दी। इस पाकिस्तानी-ईरानी परमाणु संबंधों को तत्कालीन पाकिस्तानी सैन्य तानाशाह जनरल जिया-उल-हक और उनके सैन्य उत्तराधिकारियों की सहमति और आशीर्वाद प्राप्त था-इस तथ्य की पुष्टि 2015 में पूर्व ईरानी राष्ट्रपति अकबर हाशमी रफसंजानी ने सार्वजनिक रूप से की थी। पाकिस्तानी सेना ने बदले में इस घटनाक्रम के बारे में क्रमिक नागरिक सरकारों को सफलतापूर्वक अंधेरे में रखा। प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो को 1989 में तेहरान की यात्रा के दौरान दुर्घटनावश इसका पता तब चला जब रफसंजानी ने उनसे 'विशेष रक्षा मामलों' पर दोनों देशों के बीच हुए समझौते की पुष्टि करने के लिए कहा। उस समय तक दर्जनों ईरानी वैज्ञानिक पाकिस्तान के विभिन्न संस्थानों में प्रशिक्षित हो चुके थे। 14 अगस्त 2002 को, ईरानी असंतुष्ट समूहों के एक छत्र संगठन 'नैशनल काऊंसिल ऑफ रेसिस्टैंस ऑफ ईरान' ने दो परमाणु स्थलों को सार्वजनिक कर दिया जिन्हें ईरान ने कथित तौर पर आई.ए.ई.ए, से छुपाया था, जिससे ईरानी परमाणु क्षमता को सीमित करने का एक बारहमासी प्रयास शुरू हो गया। मौजूदा दौर इसी गाथा का ताजा अध्याय है। हालांकि,यह अभी भी पहले पूछे गए सवाल का जवाब नहीं देता है-कि ईरान वास्तव में एक विमान से गिराए जाने या मिसाइल डिलीवरी सिस्टम से जोड़े जाने में सक्षम एक व्यावहारिक परमाणु उपकरण से कितने 'स्क्रू टर्न' और कितने महीने या साल दूर है। दो साल पहले 7 अक्तूबर 2001 को, अमरीका ने 9ध्11 के आतंकवादी हमले के लिए अल कायदा को दंडित करने और ओसामा बिन लादेन व उसके सहयोगियों को शरण देने के लिए तालिबान को सजा देने हेतु अफगानिस्तान पर आक्रमण किया था। यह ध्यान देने योग्य है कि 9ध्11 के 19 आतंकवादी अपहरणकर्त्ताओं में से 15 सऊदी अरब से थे, दो यू.ए.ई. से, एक लेबनान से और नेता मिस्र से था। अफगानिस्तान या उस मामले में ईराक से कोई नहीं था। सऊदी अरब, यू.ए.ई. और मिस्र मध्य पूर्व में अमरीका के सबसे पक्के सहयोगियों में बने हुए हैं। ओसामा बिन लादेन को आखिरकार ऐबटाबाद में खत्म कर दिया गया, लेकिन उसे पनाह देने वाला पाकिस्तान एक बार फिर अमरीका के नए स्नेह की चमक का आनंद ले रहा है। आज वह अमरीका- इसराईल और ईरान के बीच मध्यस्थ है। विडंबना यह है कि अमरीका ने 2021 में अफगानिस्तान को उसी तालिबान के हाथों में वापस सौंप दिया, जिसको उसने 2001 में अफगानिस्तान से बाहर खदेड़ा था। यह सब एक स्पष्ट सवाल खड़ा करता है कि क्या ईरान पर अमरीका- इसराईल के हमले के पीछे 'परमाणु हथियारों' के अलावा कोई अन्य गुप्त कारण था।

भारत का भविष्य निर्धारित करेंगी पांच प्रवृत्तियां

पी. चिदम्बरम

मैं कई वर्षों से भारत में सामाजिक और राजनीतिक प्रवृत्तियों का अवलोकन कर रहा हूं। जो एक गहरी बहती हुई धारा प्रतीत होती है। हो सकता है कि वह वैसी न हो, और केवल एक गुजरता हुआ बादल हो। एक गुजरता हुआ बादल एक स्वागत योग्य बौछार तो ला सकता है, लेकिन वह जलवायु की कोई स्थायी विशेषता नहीं

होता। 1947 एक ऐतिहासिक मोड़ का वर्ष था। स्वतंत्रता के बाद से, कई दृश्य प्रभाव और प्रवृत्तियां देखी गईं लेकिन वे अल्पकालिक थीं, और कई ऐसी शुरुआती प्रवृत्तियां जिन पर अधिकांश लोगों का ध्यान नहीं गया, वे स्थायी बन गई हैं। उदाहरण के लिए, गांधी जी की लगभग दैवीय स्थिति और सैंकड़ों समर्पित गांधीवादियों के बावजूद, गांधीवादी जीवन शैली, अहिंसा, सत्याग्रह, चरखा और सविनय अवज्ञा गांधी जी के बाद एक-दो दशकों से अधिक समय तक जीवित नहीं रह सकी। दूसरी ओर, बहुत कम लोगों ने भारत के तीव्र शहरीकरण की उम्मीद की थी, उससे भी कम लोगों ने जलवायु परिवर्तन पर ध्यान दिया, और उससे भी कम लोगों ने मनुष्यों और विज्ञान व प्रौद्योगिकी के बीच के जटिल संबंध को समझा। कहावत है, 'भविष्यवाणी करना बहुत कठिन है, विशेषकर तब जब यह भविष्य के बारे में हो' (नोबेल पुरस्कार विजेता नील्स बोहर और महान बेसबॉल खिलाड़ी योगी बेरा)। फिर भी, मैं इस वर्जित क्षेत्र में कदम रखने का साहस करूंगा। मैंने पांच ऐसी प्रवृत्तियों को देखा है जो ताकत और गति पकड़ सकती हैं। भले ही मैं उनमें से कुछ को नापसंद करता हूं और उनसे डरता हूं, ये प्रवृत्तियां अजेय लगती हैं। लोकतंत्र जनता की सरकार है। लोग स्वतंत्र पैदा होते हैं और उन्हें कई तरह की स्वतंत्रताओं के अधिकार होते हैं। एक लोकतांत्रिक सरकार वह सरकार होती है जो लोगों के अधिकारों का सम्मान करती है और उन्हें बनाए रखती है, और जिसने स्वतंत्र संस्थानों की स्थापना की है जो अधिकारों की रक्षा और उन्हें लागू करेंगे। फ्रीडम हाऊस, वी-डेम इंस्टीच्यूट और रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (सभी अनुसंधान संस्थान) विभिन्न संकेतकों के तहत स्कोर के आधार पर देशों को 'स्वतंत्र' या नहीं के रूप में वर्गीकृत करते हैं। अधिक से अधिक देशों का स्कोर घट रहा है। भारत का स्कोर 2005 में 77 था और घटकर 63.67 हो गया है। भारत के केवल एक 'चुनावी लोकतंत्र' बने रहने की संभावना है और चुनाव कम स्वतंत्र और निष्पक्ष होंगे। भारतीय लोग कल्याणकारी उपायों, बेहतर बुनियादी ढांचे और एक दमनकारी सामाजिक संरचना को कोई चुनौती न मिलने के बदले में घटते स्कोर से बेअसर दिखते हैं। चीन का स्कोर कई वर्षों से 9/100 पर अटका हुआ है, लेकिन सभी रिपोर्टों के अनुसार, चीनी लोग खुश हैं। भारत उस रास्ते पर चल सकता है। अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों पर दुविधाधिकार या अल्पाधिकार का दबदबा है-हवाई यात्रा, दूरसंचार, सीमेंट, स्टील, बिजली,फार्मास्यूटिकल्स, पैट्रोलियम, रक्षा उत्पादन, खनन और खुदरा। और अधिक क्षेत्र इसी रास्ते पर जा सकते हैं। छोटे व्यवसाय और एम.एस.एम.ई.लगभग विलुप्त हो जाएंगे। गैर.सरकारी संगठनों एन.जी.ओ. का दम घोंटा जाएगा। आर्थिक शक्ति का वितरण तेजी से एकाधिकारवादियों के पक्ष में विषम होता जाएगा। पूंजी और श्रम के बीच का संतुलन पूंजी के पक्ष में झुकता रहेगा। आय का वितरण अमीर और अत्यधिक अमीर लोगों के पक्ष में विषम हो जाएगा। आय की असमानताएं बढ़ेंगी और हम कम समतावादी होंगे। अधिकांश बड़े शहर कॉस्मोपॉलिटन (शहरीकृत) बन गए हैं और भाषाओं, धर्मों, संस्कृतियों और व्यंजनों का मिश्रण हैं। कई कस्बे भी इसी राह पर चल रहे हैं। शहरीकरण और मास ट्रांजिट (सामूहिक पारगमन)प्रणालियां इस प्रवृत्ति को भारत में और गहराई तक ले जाएंगी। कोई भी किसी जगह से 'संबद्ध' नहीं होगा। संयुक्त परिवार की तरह 'मूल स्थान' भी विलुप्त हो जाएगा। अधिकांश लोग जो किसी को मिलेंगे,वे अजनबी होंगे। दोस्तों का दायरा छोटा हो जाएगा और रिश्ते उपकरणों के माध्यम से बनेंगे। बातचीत मशीनों द्वारा संचालित होगी। मनुष्यों के बीच के संबंधों को भावनाएं नहीं, बल्कि लेन-देन निर्धारित करेंगे। यौन संबंध जीवित रह सकते हैं क्योंकि सैक्स के प्रसव से इतर भी फायदे हैं। विज्ञान और बनावटी विज्ञान को अलग करने वाली रेखा गायब हो जाएगी। जैसा कि श्री वासुदेवन मुकुंथ ने लिखा (द हिंदू, दिनांक 23 जून, 2026), शैक्षणिक अधिकारी पौराणिक विज्ञान को विज्ञान के रूप में, पौराणिक कथाओं को इतिहास के रूप में, अनुष्ठान को तकनीक के रूप में और सत्यापन योग्यता के प्रति खुले तिरस्कार को संस्थागत रूप देंगे। अधिक आई.आई.टी. को पौराणिक कहानियों, पुनर्जन्म और वैदिक जीव विज्ञान में 'शोध' करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। सांस्कृतिक पुनरुत्थान मंदिरों के पुनर्निर्माण और हिंदू त्योहारों को मनाने के इर्द-गिर्द घूमेगा। कई शहरों में मांस की दुकानों पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

ऊपर बताई गई प्रवृत्तियों के परिणाम 144 करोड़ लोगों के लिए भारी होंगे, जो 167 करोड़ पर पहुंचकर स्थिर हो जाएंगे और फिर घटने लगेंगे। भारत आगे बढ़ेगा-चाहे 5 प्रतिशत की दर से या उससे अधिक-सरकार चाहे जो भी हो, क्योंकि भारतीय भोजन उगाएंगे, सामान का उत्पादन करेंगे, और उपभोग या निर्यात करेंगे। अमीर और अत्यधिक अमीर लोगों की संख्या बढ़ेगी, लेकिन पिरामिड के निचले हिस्से पर कई मिलियन लोग जमा होंगे। वे मिलियन लोग कम मांग, कम उपभोग, निम्न जीवन स्तर और कम विकास का अनुभव करेंगे। इसके अलावा, यदि लाखों लोगों को किसी न किसी बहाने भारत की कहानी में भाग लेने से बाहर कर दिया जाता है, तो उनका जीवन और बदतर हो जाएगा। भारत कम समान, और अधिक विभाजित व क्रोधित होगा। आप इन पांच प्रवृत्तियों पर विवाद कर सकते हैं या इनमें कुछ जोड़ या घटा सकते हैं, लेकिन आप इस बात से इंकार नहीं कर सकते कि देश की दिशा और देखी जाने वाली प्रवृत्तियां ही दुनिया में भारत का स्थान निर्धारित करेंगी।

अगली फिल्म के लिए कई लुक अपनाएंगे सलमान, निर्माता ने साझा की अहम जानकारी, इस दिन होगी रिलीज

सलमान खान अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग में काफी व्यस्त हैं। फिल्म में सलमान खान एक बार फिर एक्शन अवतार में नजर आ सकते हैं। इस फिल्म का फैंस को काफी इंतजार है। एक पॉडकास्ट के दौरान फिल्म के निर्माता दिल राजू ने फिल्म को लेकर काफी कुछ बताया। हाल ही में दिल राजू एक पॉडकास्ट पर पहुंचे थे। जहां उन्होंने अपने आने वाले प्रोजेक्ट SVC63 के बारे में बात की। उन्होंने कहा, मुझे वामसी पेडिपल्ली के डायरेक्शन में बन रही फिल्म पर बहुत भरोसा है। यह अब तक का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट होगा। इसके अलावा दिल राजू ने बताय कि यह सलमान खान की अब तक की सबसे बड़ी एंटरटेनिंग फिल्म होगी। फिल्म में जबरदस्त एक्शन और काफी कुछ होगा। इस पॉडकास्ट के दौरान दिल राजू ने यह भी बताया कि इस फिल्म में सलमान कई अलग–अलग लुक में नजर आएंगे। वहीं फिल्म के शूटिंग शेड्यूल की जानकारी देते हुए निर्माता दिल राजू ने कहा, यह फिल्म अक्टूबर तक पूरी हो जाएगी। हमें इसके ब्लॉकबस्टर होने की पूरी उम्मीद है। सलमान भी इसकी शूटिंग के मजे ले रहे हैं। फिल्म में भरपूर हीरोइज्म और वाउ फैक्टर होगा। फिल्म SVC63 श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स बैनर तले बन रही है। वहीं फिल्म का निर्देशन वामसी पेडिपल्ली ने किया है। कुछ दिनों पहले ही सलमान और नयनतारा को मेकर्स के साथ मुहूर्त सेरेमनी में देखा गया था। इन दिनों वो इस फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। फिलहाल फिल्म की बाकी कास्ट की जानकारी मेकर्स ने नहीं दी। अब दिल राजू की मानें तो इसकी शूटिंग अक्टूबर तक पूरी हो जाएगी, जिसके बाद फिल्म के पोस्ट प्रोड्क्शन पर काम किया जाएगा। अब मेकर्स इस फिल्म को ईद 2027 तक रिलीज करने का प्लान बना रहे हैं।

> “ इन दिनों वो इस फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। फिलहाल फिल्म की बाकी कास्ट की जानकारी मेकर्स ने नहीं दी। अब दिल राजू की मानें तो इसकी शूटिंग अक्टूबर तक पूरी हो जाएगी, जिसके बाद फिल्म के पोस्ट प्रोड्क्शन पर काम किया जाएगा। अब मेकर्स इस फिल्म को ईद **2027** तक रिलीज करने का प्लान बना रहे हैं।

सलमान खान के साथ नहीं करते ऐसा, लॉक अप 2 में राम कपूर के बर्ताव पर यूजर्स ने उठाए सवाल

लॉक अप का नया सीजन अभी शुरू ही हुआ है, मगर इसने तीखी बहस, अचानक झगड़ों और ढेर सारे ड्रामे से दर्शकों को बांधा है। हाल ही में एक टास्क के दौरान होस्ट और जेलर रितेश देशमुख के साथ एक्टर राम कपूर की तीखी बहस हो गई। इसके बाद ऑनलाइन चर्चा शुरू हो गई। शो में राम कपूर ने पानी मांगा। जब उन्हें पानी नहीं मिला, तो वह आपा खो बैठे और मेकर्स को चेतावनी देते हुए कहा मैं काफी देर से पानी मांग रहा हूं। आप लोग हमसे यह सब करवा रहे हैं लेकिन पानी नहीं दे रहे। यह सही नहीं है। पानी भेजो। जब रितेश देशमुख ने उन्हें चेतावनी दी कि उन्हें पेंटबॉल लग सकता है, तो राम ने जवाब दिया, श्लगने दो, आओ मारो।श फिर रितेश ने समझाया कि हर कंटेस्टेंट को पहले ही एक पर्सनल पानी की बोतल दी जा चुकी थी और टास्क के दौरान उसे साथ रखना उनकी जिम्मेदारी थी। यह बात सुनकर राम एक तरफ हट गए और टास्क को जारी रहने दिया। एपिसोड के प्रसारित होने के तुरंत बाद, इस घटना के क्लिप सोशल मीडिया पर सामने आए, और कई दर्शकों ने राम के बर्ताव की आलोचना की। एक यूजर ने लिखा, श्सलमान खान के साथ ऐसा बर्ताव नहीं करते। दूसरे ने कमेंट किया, श्वे इतना ओवरएक्टिंग क्यों कर रहे हैं? तीसरे ने लिखा, सलमान खान के सामने ऐसा करने की हिम्मत भी नहीं करते। एक और दर्शक ने कहा, यह बहुत शर्मनाक था– पूरी तरह से अहंकारी बर्ताव।

जब करनी होगी बता दूंगा, आप अपना काम करो...जैस्मीन संग शादी पर अली गोनी ने सोशल मीडिया पर दिया जवाब

हाल ही में अली गोनी अपने एक पुराने ब्यान की वजह से सुर्खियों में आ गए थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि वो जैस्मीन संग जल्द ही शादी कर सकते हैं। इसके बाद सोशल मीडिया पर यह खबर आग की तरफ फैल गई और हर जगह बस उन्ही के चर्चे होने लगे। इन्ही अब बातों को देखते हुए अब अली गोनी ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और सोशल मीडिया पर इसका जवाब दिया है। अली गोनी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट किया और लिखा कि– जब शादी करनी होगी तो बता दूंगा, इतना तो मेरे रिश्तेदार पीछे नहीं पड़े, जितना इंस्टाग्राम वाले पीछे पड़ गए हैं। आप अपना काम करो और खुश रहने दो। ये अफवाह तब से उड़नी शुरू हुई जब एक पत्रकार से बातचीत के दौरान अली गोनी ने कहा था कि शादी जैसी चीजें, सब अल्लाह के साथ में हैं और इसी के साथ यह भी बताया कि जैस्मीन शादी के लिए बिलकुल तैयार हैं और मेरी मम्मी भी। आपको बता दें अली गोनी और जैस्मीन टीवी इंडस्ट्री की सबसे प्यारी जोड़ियों में से एक हैं और पिछले 6 सालों से दोनों एक–दूसरे को डेट कर रहे हैं। खतरों के खिलाड़ी शो से दोनों की दोस्ती हुई थी और इसके बाद दोनों के दोस्ती प्यार में बदल गई।

4 महीने पहले घर पर हुई थी फायरिंग, अब रोहित शेट्टी को फिर मिली धमकी.. कॉलर ने मांगे 20 करोड़

आए दिन किसी न किसी बड़े सितारे को जान से मारने की धमकी मिलती ही रहती है। अब फिर से बॉलीवुड डायरेक्टर रोहित शेट्टी को धमकी भरा एक ऑडियो कॉल आया है। खबरों को मुताबिक शनिवार सुबह उन्हें एक फोन आया, जिसमें कॉलर ने 20 करोड़ रुपए की डिमांड की है। इसी के साथ यह भी कहा है कि अगर मुंह मांगी रकम नहीं मिली तो अगला निशाना रोहित शेट्टी खुद होंगे। इस खबर के बाद हर जगह हड़कप मच गया है और रोहित शेट्टी की सिक्योरिटी भी बढ़ा दी गई है। इस कॉल के बाद पुलिस जांच में जुट गई है कि फोन कहा से आया है हालांकि इस बात की पुष्टि नहीं हुई है फोन किसने किया है। खबरों के मुताबिक रोहित शेट्टी के पास एक ऑडियो कॉल आया, जिसमें सामने वाले ने रोहित से 20 करोड़ की मांग की है। यह घटना शनिवार सुबह की है और इससे 4 महीने पहले भी रोहित शेट्टी के घर के बाहर फायरिंग हुई थी और अब इस कॉल से हर जगह परेशानी वाला माहौल बन गया है। 90 सेकेंड के इस क्लिप में कहा गया है कि यदि हमें पैसे न मिले तो अगला निशाना घर नहीं बल्कि रोहित खुद होंगे। इसके बाद तुरंत जुहू पुलिस में इस मामले की शिकायत दर्ज की गई। खबरों और रिपोर्ट्स के मुताबिक इस ऑडियो में जो आवाज है वो शुभम लोणकर की है। शुभम लोणकर वही आरोपी है, जिसकी 2024 में बाबा सिद्दीकी हत्याकांड और इसी साल की शुरुआत में रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग मामले में तलाश की जा रही है। इस ऑडियो को फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। यह पहली बार नहीं है इससे पहले फरवरी के महीने में भी रोहित शेट्टी के घर के बाहर फायरिंग हुई थी और इस हमले की जिम्मेदारी खुद बिश्नोई गैंग ने ली थी।हालांकि जिस व्यक्ति ने इस दौरान फायरिंग की थी, उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

‘तुम्हें ऑडिशन देना ही होगा’, राजकुमार हिरानी ने बताया कैसे ‘प्रीतम एंड पेड्रो’ में बेटे वीर को मिला रोल

फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी साइबरक्राइम कॉमेडी–ड्रामा प्रीतम एंड पेड्रो के साथ ओटीटी की दुनिया में कदम रख रहे हैं। यह सीरीज इसलिए भी खास है क्योंकि इससे उनके बेटे वीर हिरानी एक्टिंग में डेब्यू कर रहे हैं। लेकिन आम स्टार–किड्स की तरह वीर के लिए यह रोल पाना आसान नहीं था। उनके पिता ने शुरू से ही साफ कर दिया था कि कोई शॉर्टकट या खास रियायत नहीं मिलेगी। हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत में राजकुमार हिरानी ने कहा कि जब यह सीरीज शुरू में बन रही थी, तब उनके बेटे का नाम कास्टिंग के लिए नहीं सोचा गया था। जब हमने लिखना शुरू किया, तो न तो अरशद और न ही वीर का नाम जहन में था। लिखते समय आप कास्ट के बारे में नहीं सोचना चाहते क्योंकि इससे आप अटक सकते हैं। उस समय वीर लंदन की रॉयल एकेडमी ऑफ ड्रामेटिक आर्ट में अपनी ट्रेनिंग पूरी कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि मैंने उससे कहा था कि ड्रामा स्कूल से वापस आओ, थिएटर करो और दिलचस्प काम करके एक एक्टर के तौर पर अपनी पहचान बनाओ। घर और ऑफिस में कास्टिंग पर हो रही बातचीत को देखने के बाद ही वीर ने इस रोल में दिलचस्पी दिखाई। लेकिन उनके पिता ने तुरंत कुछ नियम तय कर दिए। राजकुमार हिरानी ने बताया कि मैंने वीर से कहा कि अगर तुम इसके लिए ऑडिशन देना चाहते हो, तो दो। अविनाश अरुण से मिलो। उन्हें मनाओ क्योंकि वही इसे डायरेक्ट कर रहे हैं। मैं अपनी मर्जी नहीं चला सकता। भले ही यह मेरी सीरीज हो, तुम्हें ऑडिशन देना ही होगा। यह मत सोचना कि सिर्फ मेरे बेटे होने की वजह से तुम्हें यह रोल मिल जाएगा। वीर ने इस प्रोसेस को गंभीरता से लिया। कहा जाता है कि वह हर रात एक दोस्त के साथ सीन की रिहर्सल करते थे, कई ऑडिशन टेप रिकॉर्ड करते थे और सिर्फ सबसे अच्छे टेप ही मेकर्स को भेजते थे। उन्हें यह रोल पूरी तरह से अपनी काबिलियत के दम पर मिला। राजकुमार हिरानी द्वारा सह–लिखित और प्रोड्यूस किए गए और अविनाश अरुण द्वारा डायरेक्ट किए गए प्रीतम एंड पेड्रो के साथ राजकुमार हिरानी स्ट्रीमिंग क्रिएटर के तौर पर डेब्यू कर रहे हैं। प्रीतम एंड पेड्रो में वीर प्रीतम का रोल निभा रहे हैं जो एक टेक–सेवी साइबर एक्सपर्ट है। वहीं अरशद वारसी पेड्रो का रोल निभा रहे हैं, जो पुराने ख्यालात का एक पुलिसवाला है और जिसे न चाहते हुए भी साइबर सेल में पोस्ट किया गया है।

डायबिटीज से लेकर वेट लॉस तक में मदद करते हैं केले के फूल, ये हैं फायदे

आपने केले का इस्तेमाल कई कई तरह की रेसिपी और शेक बनाने के लिए कई बार किया होगा। लेकिन क्या आपने कभी केले के फूल का सेवन किया है? सुनकर कई लोग हैरान हो सकती हैं। लेकिन आपको बता दें, आयुर्वेद के अनुसार केले का फूल औषधि की तरह प्रयोग में लाया जाता है। इसका सेवन करने से डायबिटीज, मोटापा और तनाव जैसी कई समस्याओं को दूर किया जा सकता है। केले के फूल में मौजूद फाइबर, प्रोटीन, पोटेशियम, कैल्शियम, तांबा, फास्फोरस, लोहा, मैग्नीशियम और विटामिन ई जैसे कई पोषक तत्व कई रोगों को दूर रखने में मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं केले के फूल का सेवन करने से सेहत को मिलते हैं क्या–क्या फायदे।

केले के फूल का सेवन करने से मिलते हैं ये फायदे–

डायबिटीज में फायदेमंद–

केले के फूल को उबालकर उसका काढ़ा मधुमेह रोगियों को पिलाने पर उनका इंसुलिन लेवल कम हो जाता है। हालांकि, इस विषय पर अभी और चिकित्सकीय अध्ययन की आवश्यकता है।

एनीमिया –

एनीमिया का मतलब होता है शरीर में खून की कमी। शरीर में खून की कमी से बचने के लिए केले के फूल का इस्तेमाल किया जाता है। इसे खाने से शरीर में आयरन की कमी नहीं होती है।

तनाव –

केले के फूल में मौजूद मैग्नीशियम, एंटी ऑक्सीडेंट और एंटी डिप्रेसेंट तत्व व्यक्ति को मानसिक तनाव से बचाकर उसके मूड को बेहतर बनाए रखने का काम करते हैं।

फ्री रेडिकल्स की समस्या होती है दूर–

केले के फूल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण कैंसर और फ्री रेडिकल्स की समस्या में भी राहत देते हैं। फ्री रेडिकल्स अल्जाइमर और पार्किंसंस रोग का कारण बन सकते हैं, जिन्हें नियमित रूप से केले के फूलों का सेवन करने से रोका जा सकता है।

वेट लॉस–

केले के फूल का सेवन करने पर वेट लॉस में भी मदद मिलती है। केले का फूल में मौजूद फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा हुआ रखने में मदद करता है, जिससे बैली फैट भी तेजी से घटता है। केले का फूल का सेवन आप उसका काढा, सब्जी या सूप बनाकर कर सकते हैं।

हाई ब्लड–प्रेशर –

केले के फूल का सेवन करने से हाई बीपी की समस्या में भी राहत मिलती है। केले के फूल एंटी हाइपरटेंसिव एजेंट की तरह काम करके ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में मदद करते हैं।

पीरियड के दर्द में राहत–

केले का फूल शरीर में प्रोजेस्टेरोन को बढ़ाकर जरूरत से ज्यादा ब्लीडिंग की समस्या को दूर करने में मदद करता है। इसके लिए सबसे पहले केले के फूल को थोड़े से पानी और नमक में पूरी तरह से पकाने के बाद ठंडा होने के लिए रख दें। उसके बाद कप का) हिस्सा नारियल, 2 ग्राम. मिर्च, आधा चम्मच जीरा मिलाकर केले के पके हुए फूल को गाढ़े दही में मिलाते हुए आवश्यकता अनुसार नमक डालकर खाएं।

40 की होने वाली हैं तो अपने स्किन केयर रूटीन में जरूर कर लें ये बदलाव, एजिंग नहीं आएगी नजर

खूबसूरत और यंग दिखना है तो स्किन की देखभाल करना जरूरी है। जिस तरह से 25–30 साल की उम्र में एक्ने और पिंपल को हटाने के लिए स्किन केयर जरूरी होता है। उसी तरह से 40 के बाद स्किन को यंग बनाए रखने के लिए भी त्वचा की देखभाल करनी चाहिए। जिससे कि समय से पहले ही त्वचा पर झुर्रियां और फाइन लाइंस दिखना ना शुरू हो जाए। उम्र बढ़ने के साथ स्किन की इलास्टिसिटी खोती जाती है। जिसकी वजह से ड्राईनेस होती है और चेहरे की त्वचा में ढीलापन आने लगता है। इसलिए 40 के बाद अपने स्किन केयर में इन चीजों को जरूर शामिल करें।

रूटीन फिक्स करें

अगर अभी तक आप अपने स्किन केयर रूटीन को फॉलो नहीं करती थीं। तो अब शुरू कर दें। अच्छे क्वालिटी के मॉइश्चराइजर, फेसवॉश के साथ ही टोनर और क्लीजर पर भी पैसे खर्च करें। जो आपकी फाइन लाइंस और रिंकल्स की प्रॉब्लम को कम करने में मदद करे।

सन प्रोटेक्शन है जरूरी

त्वचा को धूप की तेज और हानिकारक किरणों से जरूर बचा कर रखें। नहीं तो स्किन में रिंकल और झुर्रियां जल्दी ही नजर आने लगेंगे। रोजाना एसपीएफ 30 के करीब सनस्क्रीन को लगाएं। जो स्पॉट्स और रिंकल को भी दूर रखने में मदद करेगा।

हाइड्रेशन

बाहरी स्किन केयर प्रोडक्ट के साथ कुछ चीजें खानपान में भी जरूरी है। ढेर सारा पानी आपकी स्किन को भी डाइड्रेट करता है। जिसकी वजह से स्किन शाइन करती है और चेहरे पर ग्लो दिखता है।

प्रमोटेड आर्टिकल्स

आंखों की स्किन की देखभाल

आंखों के आसपास की स्किन सबसे ज्यादा सॉफ्ट होती है। जिस पर झुर्रियां और रिंकल सबसे पहले दिखने लगते है। अंडर आई क्रीम का इस्तेमाल करें जो पफीनेस, डार्क सर्कल और फाइन लाइंस को दूर करें। इसके साथ ही कुछ घरेलू नुस्खे भी आजमाएं। जैसे खीरे की स्लाइस आंखों पर रखें।

ग्री टी बैग थकी हुई आंखों को रिलैक्स करने में मदद करती है।

बदल दें मेकअप प्रोडक्ट

खुद की स्किन को यंग दिखाना है तो मेकअप प्रोडक्ट बदल दें। जो आपकी स्किन को रेडिएंट और ग्लोइंग दिखाएं और चेहरे की फाइन लाइंस को ना दिखने दे। लाइटवेट फाउंडेशन या टिंटेड मॉइश्चराइजर नेचुरल लुक देते हैं। साथ ही चेहरे पर पाउडर लगाने से बचें। ये आपकी स्किन को ड्राई बनाने के साथ फाइन लाइंस को उभार देंगें।

बालों की देखभाल है जरूरी

उम्र बढ़ने के साथ बाल तेजी से झड़ते हैं। इसलिए हमेशा बालों की खासतौर पर क्राउन एरिया पर उग रहे बालों पर नजर रखें और केयर करें।

हाई फाइबर से भरपूर होते हैं ये 5 फल, खाते ही कब्ज हो जाएगी खत्म

साइंटिफिकली जब 3 दिन तक बाउल मूवमेंट नहीं होता तो उसे कब्ज माना जाता है। हालांकि कब्ज की सिचुएशन हर इंसान के साथ अलग होती है। डाइट में फाइबर और लिक्विड की कमी ज्यादातर कब्ज की मेन वजह होती है। इसलिए हमेशा डाइट में फाइबर से भरपूर फूड्स खाने की सलाह दी जाती है। केवल फूड्स ही नहीं कई सारे फल भी हैं जो कब्ज की प्रॉब्लम दूर करने में मदद करते हैं। ये नेचुरल फाइबर रिच फ्रूट्स हैं जिन्हें डेली डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। कई बार कब्ज होने की वजह फाइबर और लिक्विड की कमी के अलावा भी होती है। जैसे डेली रूटीन में बदलाव, फिजिकल वर्क या एक्सरसाइज की कमी। ऐसे में दवाओं पर भरोसा करने के बजाय इन फ्रूट्स को खाएं। जो कब्ज की समस्या को फौरन दूर करने में मदद करते हैं।

नाशपाती

1 नाशपाती में लगभग 5.5 ग्राम फाइबर की मात्रा होती है। जो कि डेली डाइट का करीब 20 प्रतिशत जरूरत पूरी करने के लिए काफी है। नाशपाती में सॉल्यूएबल और इनसॉल्यूएबल दोनों तरह का फाइबर होता है। जो गट हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद है। नाशपाती के छिलके में इनसॉल्यूएबल मौजूद होता है जो पानी में घुले बगैर स्टूल को गट से बाहर निकालने में हेल्प करता है।

साइट्रस फ्रूट्स

खट्टे फलों में फाइबर की मात्रा भरपूर होती है। चकोतरा, ऑरेंज ऐसे फल हैं जिन्हें अगर रोज खाया जाए तो ये कब्ज की समस्या को कम करते हैं। यूएसडीए के अनुसार एक चकोतरा और एक संतरे में करीब 4 ग्राम फाइबर होता है।

कीवी

कीवी को हाई फाइबर फ्रूट्स की लिस्ट में शामिल किया जाता है। इसलिए कीवी प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए बेस्ट होता है। इसे खाने से नेचुरली कब्ज की समस्या कम होती है और सारे जरूरी न्यूट्रिशन भी मिलते हैं। एक कीवी में करीब 2 ग्राम फाइबर होता है। अगर कीवी के छिलके को भी खाया जाए तो ना केवल न्यूट्रिशन बढ़ जाता है बल्कि फाइबर भी ज्यादा मिलता है।

अमरूद

अमरूद में फाइबर की अच्छी खासी मात्रा होती है। जिसे खाने से कब्ज की समस्या नेचुरली कम होती है। अमरूद में मौजूद तत्व बाउल मूवमेंट में मदद करते हैं। जिससे कब्ज की छुट्टी होती है।

ड्रैगन फ्रूट

ड्रैगन फ्रूट दो तरह का होता है। लाल छिलका और पीला छिलके वाला। जिसके अंदर काले रंग के छोटे–छोटे बीज होती है। हालांकि इसका छिलका खाने लायक नहीं होता है। ड्रैगन फ्रूट्स में करीब 5 ग्राम फाइबर की मात्रा होती है। ड्रैगन फ्रूट को खाने का सबसे बढ़िया तरीका स्मूदी बनाकर खाना है। जिससे फाइबर लेने की मात्रा बढ़ जाती है।

बारिश में जूतों की बदबू नहीं जा रही तो अपनाएं ये टिप्स, दूर हो जाएगी समस्या

बारिश के मौसम में चारों तरफ नमी हो जाती है। जिसकी वजह से किसी सामान को सूखने में भी समय लगता है। ये नमी ही इंफेक्शन और बैक्टीरिया को भी बढ़ाती है। ऐसे में पैरों में होने वाला पसीना जूतों में नमी ला देता है। वहीं कई बार शूज बारिश के पानी में भीग जाते हैं। जो जल्द नहीं सूखते और उनसे बदबू आने लगती है। जिसकी वजह से पैर में भी फंगल इंफेक्शन होने का खतरा रहता है। यहां तक कि जूतों में पैर डालते ही बदबू भी आने लगती है। जिसकी वजह से कई बार शर्मिंदगी का भी सामना करना पड़ता है। अगर जूतों से बदबू नहीं जा रही है तो उन्हें इन तरीकों से दूर किया जा सकता है।

फ्रीजर में रख दें

जूतों से बदबू नहीं जा रही है तो उसे प्लास्टिक के बैग में कवर करके फ्रीजर में डाल दें। रातभर इसे फ्रिज में ही रहने दें। ये तरीका बैक्टीरिया और फंगस को मारने में मदद करेगा। सुबह शूज को फ्रीजर से बाहर निकाल लें। जूते की बदबू खत्म हो जाएगी।

नींबू का छिलका रखें

पसीने की वजह से जूतों से बदबू नहीं जाती है तो उसमे रातभर के लिए नींबू का छिलका रख दें। खट्टे फल नींबू या संतरा की फ्रेश महक जूतों में आने वाली बदबू को दूर करने में मदद करेगी।

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा मॉइश्चर तेजी से सोखता है। साथ ही बदबू को भी हटाने में मदद करता है। जूतों में अगर नमी हो रही है और बदबू आ रही है तो बेकिंग सोडा को जूतों के अंदर छिड़ककर रख दें। सुबह तक इसमे से सारी बदबू और नमी खत्म हो जाएगी।

न्यूजपेपर करेगा मदद

जूते बारिश में भीग गए हैं तो उनमे बदबू आ रही है तो नमी सुखाने के लिए उसके अंदर अखबार के कागज भर दीजिए और किसी हवा वाली जगह पर रख दीजिए। ये जूतों की नमी और बदबू दोनों को खत्म कर देगी।

टैल्कम पाउडर

अगर शूज से बदबू आ रही है तो उसमे टैल्कम पाउडर छिड़ककर पहनें। इससे शूज की बदबू की वजह से पैर नहीं बदबू करेंगे।

धो दें

जूतों की बदबू दूर करने का सबसे आसान तरीका उन्हें धो देना है। अगर शूज धोने लायक मटैरियल से बने हैं तो उन्हें धो दें और धूप में सुखा दें। जिससे नमी और बदबू दोनों चली जाएगी।

संक्षिप्त

जन विश्वास कानून के तहत कारोबारियों और एमएसएमई को सरकार की बड़ी राहत

नई दिल्ली,एजेंसी। देश के कारोबारियों और सूक्ष्म, लघु मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए एक राहत भरी खबर है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (कारोबार में सुगमता) को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने एक अहम कदम उठाया है। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने सोमवार को लीगल मेट्रोलॉजी एक्ट, 2009 के तहत इम्प्रूवमेंट नोटिस (सुधार नोटिस) का नया सिस्टम लागू करने का ऐलान किया है। इस नए नियम का सीधा सा मतलब है– पहले गलती सुधारो, कार्रवाई का सामना बाद में करो। यह बदलाव जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) अधिनियम, 2026 के जरिए लागू किया गया है, ताकि पहली बार अनजाने में हुई प्रक्रियात्मक गलतियों के लिए व्यवसायों को सीधे जुर्माने या कानूनी पचड़े में न पड़ना पड़े। अब तक नियमों के मामूली उल्लंघन पर भी सीधी दंडात्मक कार्रवाई होती थी। लेकिन नए तंत्र के तहत, यदि कोई लीगल मेट्रोलॉजी अधिकारी पहली बार किसी प्रक्रियात्मक या नियामक खामी को पकड़ता है, तो वह सीधे कार्रवाई करने के बजाय एक इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी करेगा। इस नोटिस में यह स्पष्ट रूप से बताया जाएगा कि गलती क्या है और इसे सुधारने के लिए कारोबारी को एक उचित समय दिया जाएगा। यदि संबंधित इकाई तय समय के भीतर नियमों का पालन कर लेती है, तो वह दंडात्मक कार्यवाही से पूरी तरह बच सकती है। पहली बार की जाने वाली जिन गलतियों पर यह नोटिस मिलेगा, उनमें पंजीकरण, डॉक्यूमेंटेशन, मॉडल अप्रूवल, वजन और माप उपकरणों के निर्माण व बिक्री, पैकेटबंद वस्तुओं के लेनदेन और वैधानिक जानकारी देने में हुई चूक शामिल है। यह एक लाजमी सवाल है, लेकिन विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस नए सिस्टम से उपभोक्ता संरक्षण किसी भी तरह से कमजोर नहीं होगा और न ही प्रवर्तन में कोई ढील दी जाएगी। विभाग के बयान के अनुसार, यदि कोई इम्प्रूवमेंट नोटिस का पालन नहीं करता है या बार–बार नियमों की अनदेखी करता है, तो लीगल मेट्रोलॉजी एक्ट के प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इसके अलावा, धोखाधड़ी, छेड़छाड़, और उपभोक्ताओं के हितों को नुकसान पहुंचाने वाले अन्य कृत्यों पर कोई रियायत नहीं दी जाएगी। यह सुधार ईमानदार कारोबारियों को नियमों के पालन में मदद करने और लीगल मेट्रोलॉजी सिस्टम की प्रामाणिकता बनाए रखने के बीच एक बेहतरीन संतुलन बनाता है। अब प्रवर्तन एजेंसियां अपना पूरा ध्यान और संसाधन उन जानबूझकर किए गए और बार–बार होने वाले उल्लंघनों पर केंद्रित कर सकेंगी, जो वास्तव में उपभोक्ताओं के हितों पर असर डालते हैं। यह कदम भारतीय कारोबारी माहौल को और अधिक पारदर्शी और भयमुक्त बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल है।

स्मॉलकैप और मिडकैप एसेट्स को लेकर निवेशकों के मन में अनिश्चितता

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में रहने वाले रमेश मित्तल ने पिछले साल रिटायर होने पर फंड का एक बड़ा हिस्सा स्मॉलकैप और मिडकैप म्यूचुअल फंड में लगाया था। शुरुआती कुछ महीनों में तो अच्छा मुनाफा दिखा। लेकिन हाल की उथल–पुथल में मुनाफा साफ होने लगा। इस गिरावट ने रमेश की रातों की नींद उड़ा दी। अब वे सोच रहे हैं कि काश उन्होंने अपना यह पैसा पीपीएफ या सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम जैसी सरकारी लघु बचत योजनाओं में लगाया होता, जहां लॉक–इन पीरियड भले ही है, लेकिन पूंजी डूबने का डर पूरी तरह शून्य है। जब शेयर बाजार वैश्विक भू–राजनीतिक तनाव या आर्थिक मंदी के कारण गोता लगाने लगता है, तब निवेशकों का रुझान सुरक्षित विकल्पों की तरफ बढ़ना लाजिमी है। ऐसे दौर में पब्लिक प्रॉविडेंट फंड, सुकन्या समृद्धि योजना, नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट और सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम जैसी लघु बचत योजनाएं एक अचूक सुरक्षा कवच की भूमिका निभाती हैं। कई लोग इनके लंबे लॉक–इन पीरियड को एक नकारात्मक पहलू के रूप में देखते हैं, लेकिन इसे व्यावहारिक अनुशासन के रूप में देखा जाना चाहिए।

कमोडिटी ईटीएफ में प्राइस डिस्कवरी और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए 1 सितंबर से लागू होगा बदलाव

नई दिल्ली,एजेंसी। 1 सितंबर 2026 से सेबी गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ समेत कई ईटीएफ श्रेणियों में नई ट्रेडिंग व्यवस्था लागू करेगा। इसके तहत प्री–ओपन कॉल ऑक्शन और डायनेमिक प्राइस बैंड लागू होंगे, जिससे अंतरराष्ट्रीय कीमतों का असर भारतीय बाजार में अधिक सटीक रूप से दिखेगा। नई व्यवस्था से बेहतर मूल्य पारदर्शिता, अधिक तरलता और ईटीएफ की कीमतों व एनएवी के बीच बेहतर तालमेल मिलेगा। अगर आप भी अपने पोर्टफोलियो को सुरक्षित रखने के लिए सोने और चांदी के एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) में पैसा लगाते हैं, तो आगामी 1 सितंबर 2026 से ट्रेडिंग के नियम पूरी तरह बदलने जा रहे हैं। अब तक अक्सर देखा जाता था कि जब अंतरराष्ट्रीय कमोडिटी बाजारों में रात के समय बड़ी उठापटक होती थी, तो भारतीय ईटीएफ बाजार अगले दिन तुरंत उस बदलाव को सही तरीके से नहीं दिखा पाते थे। इसी विसंगति को दूर करने और निवेशकों को हकीकत के करीब लाने के लिए बाजार नियामक सेबी प्री–ओपन कॉल ऑक्शन मैकेनिज्म और डायनेमिक प्राइस बैंड का नया फॉर्मूला लेकर आया है। क्या है सेबी का नया फॉर्मूला और यह कैसे काम करेगा? यदि बाजार में उतार–चढ़ाव बहुत तेज होता है, तो एक निश्चित कूलिंग–ऑफ पीरियड के बाद इस प्राइस बैंड को 3–3 फीसदी के दायरे में और आगे बढ़ाया जा सकेगा। मौजूदा सिस्टम के विपरीत, अब नए नियमों में इस बात की कोई ऊपरी सीमा नहीं होगी कि एक ही ट्रेडिंग सेशन के दौरान इस बैंड को कितनी बार चौड़ा किया जा सकता है।

15 साल लंबे करियर का होगा अंत: बेन स्टोक्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से क्यों लिया संन्यास? वजह कर देगा भावुक

लंदन,एजेंसी। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के अपने फैसले के पीछे की वजहों का खुलासा किया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज टेस्ट के चौथे दिन संन्यास की घोषणा करने वाले स्टोक्स ने कहा कि यह फैसला किसी एक घटना की वजह से नहीं, बल्कि लंबे समय से चल रही मानसिक और शारीरिक थकान का परिणाम था। उन्होंने कहा कि यह कदम उन्हें क्रिकेट से अपना प्यार बनाए रखने में मदद करेगा और यही इस समय उनके लिए सबसे सही फैसला है। बेन स्टोक्स ने स्काई स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा कि यह फैसला भले ही लोगों को स्वार्थी लगे, लेकिन मौजूदा समय में यही उनके लिए सबसे अच्छा है। उन्होंने कहा, हो सकता है यह फैसला कुछ लोगों को स्वार्थी लगे, लेकिन इस समय मेरे लिए यही सबसे बेहतर है। मुझे उम्मीद है कि यह टीम के लिए भी अच्छा साबित होगा। साथ ही मुझे विश्वास है कि इसी फैसले की वजह से मैं उस खेल से प्यार करना जारी रख पाऊंगा, जिसने मुझे जीवन में इतना कुछ दिया है। स्टोक्स का अंतरराष्ट्रीय करियर सोमवार को समाप्त होगा। 15 वर्षों के करियर में उन्होंने इंग्लैंड के लिए 122 टेस्ट, 114 वनडे और 43 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। स्टोक्स ने साफ किया कि उनका फैसला हाल ही में हुई अनुशासनात्मक घटना की वजह से नहीं था। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले लंदन के एक नाइटक्लब में हुई घटना के कारण उन्हें टीम से बाहर रखा गया था, लेकिन उन्होंने कहा कि संन्यास का विचार उससे काफी पहले उनके मन में आ चुका था। उन्होंने बताया, श्लॉर्ड्स टेस्ट ने मुझे फिर से वही नकारात्मक एहसास दिलाया, जो एशेज दौरे के बाद महसूस हुआ था। ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद मैंने खुद को बेहतर बनाने के लिए बहुत मेहनत की। मुझे लगा था कि मैं सही दिशा में जा रहा हूं, लेकिन उस प्रक्रिया में मैंने खुद को पूरी तरह थका दिया। स्टोक्स ने कहा कि पिछले कुछ सप्ताह की घटनाओं ने केवल उनके फैसले को और मजबूत किया।

इंग्लैंड के कप्तान ने बताया कि लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान ड्रेसिंग रूम में जो रूट के साथ बैठकर हुई बातचीत के बाद उन्हें

महसूस हुआ कि अब आगे बढ़ने का समय आ गया है। उन्होंने कहा, श्यह फैसला अचानक नहीं था। पिछले कई महीनों से यह मेरे मन में चल रहा था। लॉर्ड्स टेस्ट के पूरे सप्ताह के दौरान जो कुछ हुआ और फिर ड्रेसिंग रूम में जो रूट के साथ बैठने के दौरान मैंने महसूस किया कि अब यह फैसला लेने का समय आ गया है। पिछले दो सप्ताह आसान नहीं रहे और दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं ने भी मेरे विचार को और मजबूत कर दिया। दूसरे टेस्ट से बाहर रहने के दौरान स्टोक्स अपने घरेलू काउंटी क्लब डरहम के लिए खेले। उन्होंने बताया कि वहीं उन्हें दोबारा क्रिकेट खेलने का आनंद महसूस हुआ। उन्होंने कहा, श्जब मैं दूसरे टेस्ट में नहीं खेल रहा था और डरहम के लिए खेला, तब मुझे लगा कि क्रिकेट के प्रति मेरा उत्साह फिर लौट आया है। लेकिन इंग्लैंड टीम में वापस आने के बाद मैं उस एहसास को दोबारा हासिल नहीं कर सका। अब मैं अपने बचपन के क्लब डरहम के लिए खेलने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। इस सप्ताह और उस सप्ताह की तुलना करता हूं तो मुझे पूरी तरह भरोसा हो गया है कि मैंने सही फैसला लिया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह घरेलू क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे।

35 वर्षीय स्टोक्स ने स्वीकार किया कि पिछले कुछ साल उनके लिए बेहद कठिन रहे। घुटने, हैमस्ट्रिंग, कंधे और एडडक्टर की चोटों ने उनके शरीर पर लगातार असर डाला। इससे पहले 2021 में वह मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए क्रिकेट से ब्रेक भी ले चुके थे। उन्होंने कहा, श्पिछले चार–पांच सप्ताह ही नहीं, बल्कि पिछले छह महीने भी काफी मुश्किल रहे हैं। जब संन्यास का दिन आता है तो राहत, खुशी, उत्साह और दुख जैसी कई भावनाएं एक साथ आती हैं। इंग्लैंड की कप्तानी करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है, लेकिन इसका एक दूसरा पक्ष भी है, जिसे सिर्फ आपके सबसे करीबी लोग ही देखते हैं। मेरा परिवार और मेरी पत्नी जानते हैं कि यह जिम्मेदारी मुझे कितना थका देती है और मानसिक रूप से कितना प्रभावित करती है। उन्होंने आगे कहा, लोग कहते हैं कि संन्यास का फैसला अचानक सामने आकर खड़ा हो जाता है और मुझे लगता है कि कुछ सप्ताह पहले मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ। हमारा खेल शारीरिक और मानसिक रूप से बेहद कठिन है। अब 35 साल की उम्र में मैदान पर वही प्रदर्शन करने के लिए मुझे अपने शरीर पर पहले से कहीं ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है।

स्टोक्स ने बताया कि ट्रेंट ब्रिज टेस्ट की पहली पारी के दौरान बल्लेबाजी के लिए पैड पहनते समय उनके मन में यह फैसला पूरी तरह स्पष्ट हो गया था। शनिवार शाम उन्होंने सबसे पहले जो रूट और उपकप्तान हैरी ब्रूक को इसकी जानकारी दी, जबकि रविवार सुबह पूरी टीम को अपने फैसले से अवगत कराया। दिलचस्प बात यह रही कि चौथे दिन मैच के दौरान जब उनके संन्यास की घोषणा सार्वजनिक हुई, तब वह गेंदबाजी कर रहे थे। घोषणा के तुरंत बाद उन्होंने अपनी अगली ही गेंद पर विकेट हासिल कर लिया।

किदांबी श्रीकांत का दूटा खिताब जीतने का सपना, फाइनल में सु ली-यांग ने हराया

फुलर्टन,एजेंसी। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के खिताब का इंतजार और बढ़ गया। यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में श्रीकांत को चीनी ताइपे के सु ली–यांग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। 33 वर्षीय किदांबी श्रीकांत ने अपने से नौ साल छोटे प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ कड़ा मुकाबला किया। उन्होंने मैच में वापसी की पूरी कोशिश की और जीत के लिए पूरा दम लगाया, लेकिन आखिरकार एक घंटे नौ मिनट तक चले मुकाबले में उन्हें 15–21, 21–16 और 9–21 से हार का सामना करना पड़ा। श्रीकांत ने 2017 फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने के बाद कोई बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब नहीं जीता है। मैच के बाद उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं जो कुछ भी कर रहा हूं, वह काम कर रहा है। मुझे बस कड़ी मेहनत करते रहना है। मुझे लगता है कि मैं वहां हूं, लेकिन यह उन जरूरी प्वाइंट्स को जीतने के बारे में है। वह (सु ली यांग) पिछले कुछ महीनों से बहुत अच्छा खेल रहे हैं। यह एक ऐसा दिन था, जब उन्होंने उन प्वाइंट्स पर बहुत अच्छा खेला जो मायने रखते थे। किदांबी श्रीकांत और ताइवान के सु ली–यांग इससे पहले दो बार आमने–सामने आ चुके थे। दोनों खिलाड़ियों ने एक–एक मुकाबला जीता था। यूएस ओपन फाइनल से पहले उनकी पिछली भिड़ंत मई में थाईलैंड ओपन के प्री–क्वार्टर फाइनल में हुई थी, जिसमें सु ली–यांग ने तीन गेम में जीत दर्ज की थी। फाइनल के पहले गेम में सु ली–यांग ने शानदार शुरुआत करते हुए 10–5 की बढ़त बनाई, हालांकि श्रीकांत ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 10–10 से बराबर कर दिया।

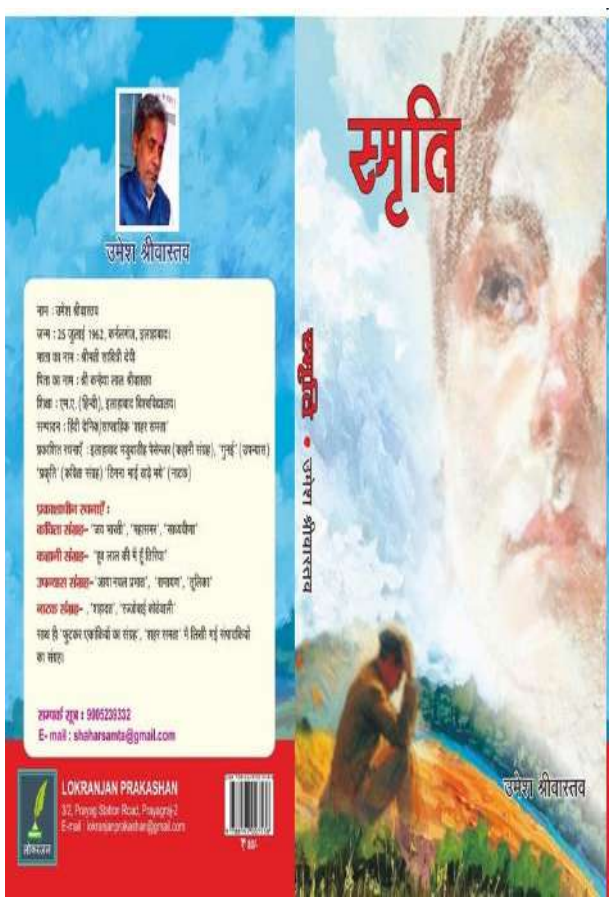

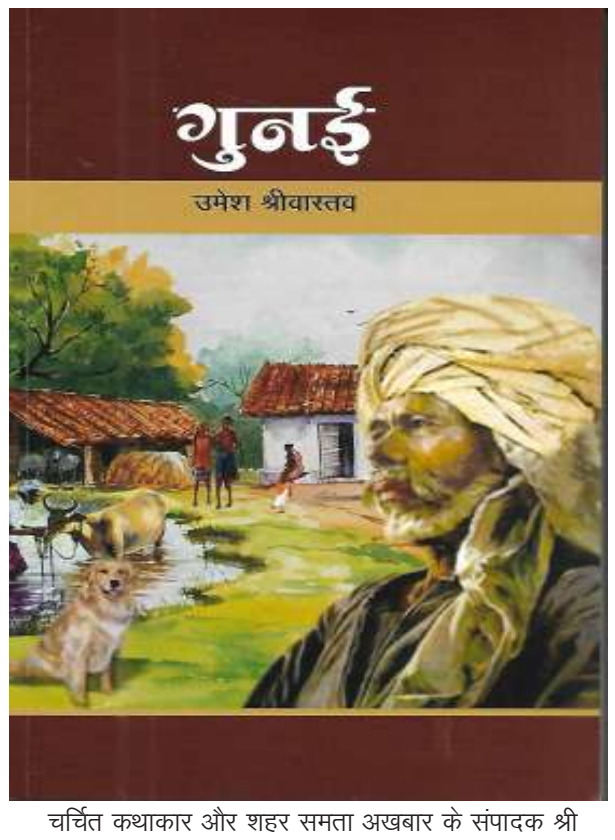

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

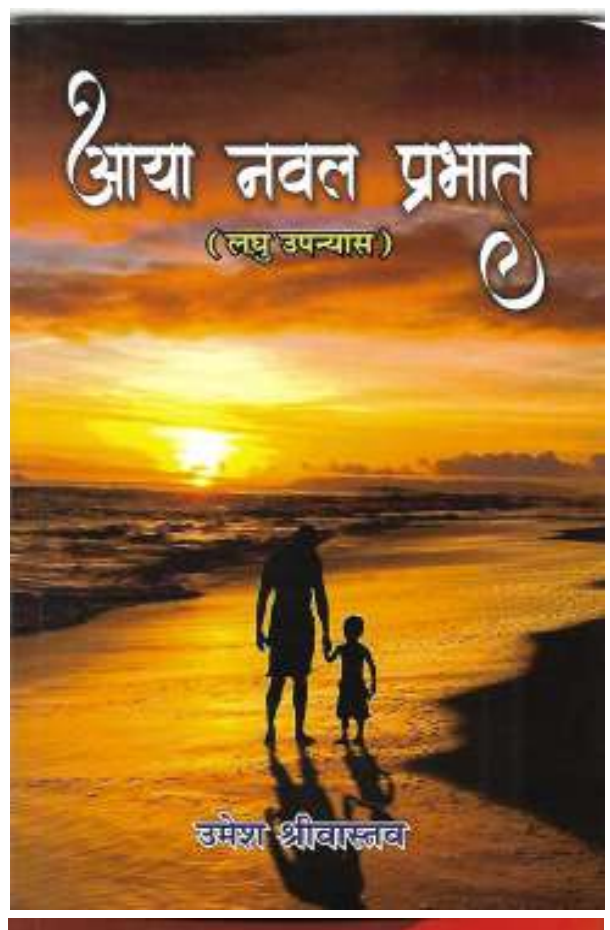

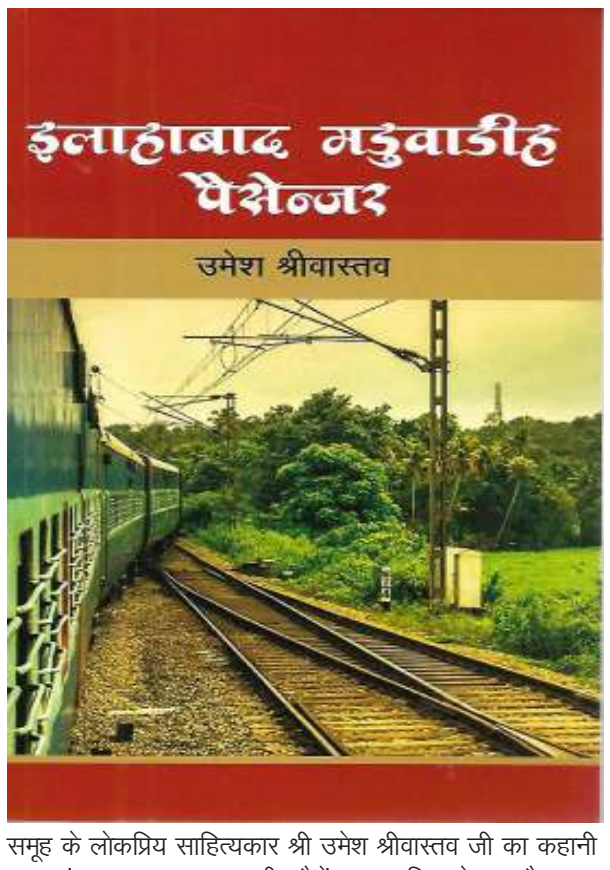

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

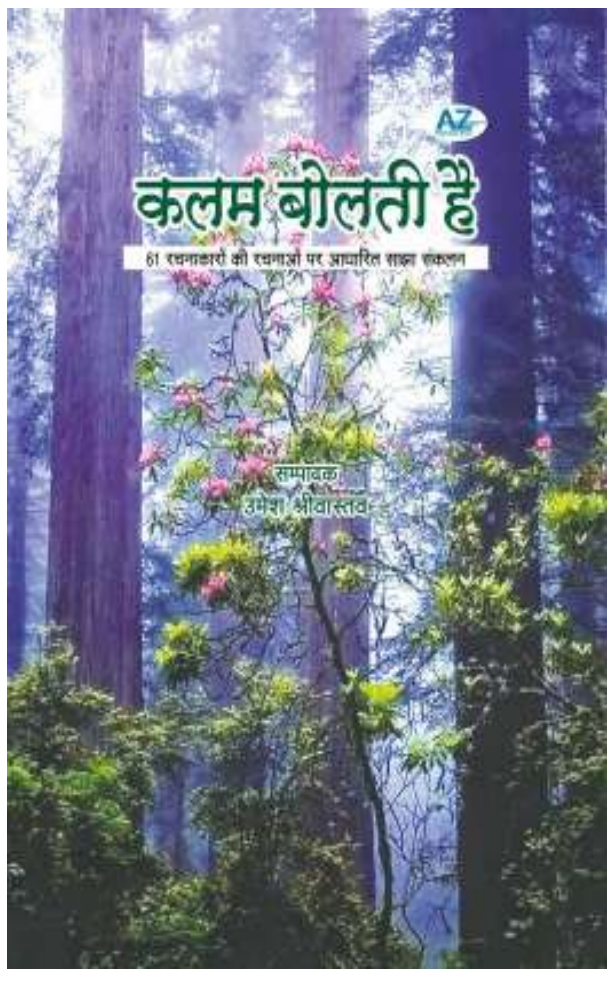

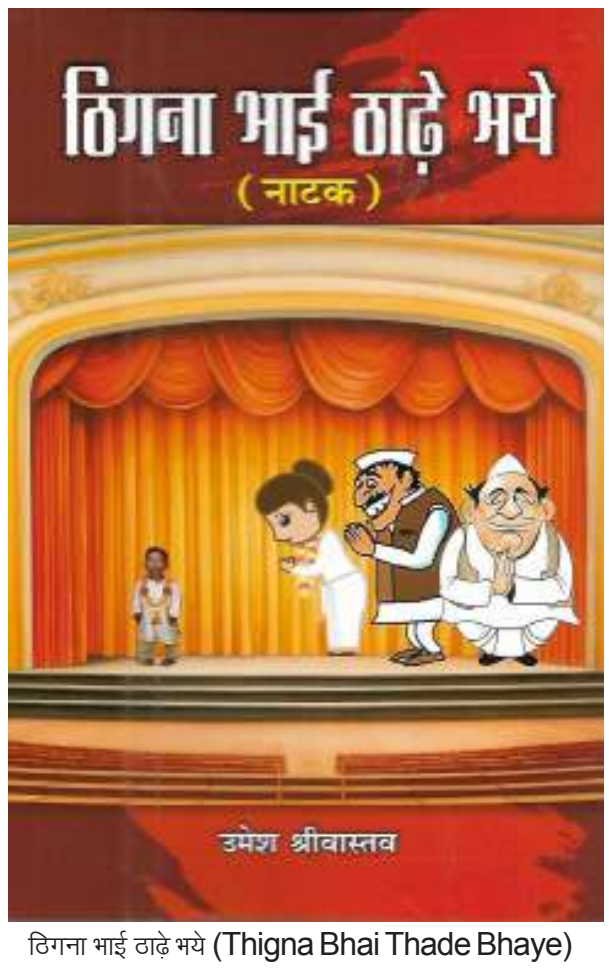

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

हिजबुल्ला पर कार्रवाई के लिए दबाव बना रहे ट्रंप, इस्राइल चिंतित, हस्तक्षेप पर सीरिया का रुख क्या?

बेरूत, एजेंसी।लेबनान में इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच जारी युद्ध से अमेरिका के हाथ खींचने के बीच, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक ऐसा विकल्प पेश किया है जिसने पूरे क्षेत्र को हैरत में डाल दिया है। ट्रंप का सुझाव है कि इस्राइली सेना के बजाय सीरिया को लेबनान में घुसकर ईरान समर्थित हिजबुल्ला का खात्मा करना चाहिए। हालांकि, सीरिया के नए राष्ट्रपति अहमद अल–शरा ने इस प्रस्ताव में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है और कहा है कि ट्रंप के बयान का गलत मतलब निकाला गया। ट्रंप का मानना है कि डेढ़ साल पहले सीरिया के तानाशाह बशर अल–असद का तख्तापलट करने वाले और अब वहां नई सरकार चला रहे अनुभवी इस्लामी लड़ाके, इस्राइली सेना की तुलना में हिजबुल्ला को जड़ से उखाड़ने में अधिक सटीक और बेहतर काम कर सकते हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप के इस प्रस्ताव को लेकर व्हाइट हाउस कितना गंभीर है, लेकिन सीरियाई आक्रमण की संभावना ने लेबनान और इस्राइल दोनों की धड़कने बढ़ा दी है। इस्राइल अल–शरा की इस्लामी नेतृत्व वाली सरकार को संदेह की नजर से देखता है और उसके सत्ता में आने के बाद से दक्षिणी सीरिया के एक हिस्से पर कब्जा कर चुका है। सीरिया इस्राइल और तुर्किये के बीच बढ़ते तनाव का केंद्र भी बन गया है, जहां दोनों देश पड़ोसी देश में एक–दूसरे के प्रभाव को सीमित करने की कोशिश कर रहे हैं। तुर्किये अल–शरा की सरकार का प्रमुख समर्थक है। एक अधिकारी ने बताया कि इस्राइल के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों ने बुधवार को इस पर एक बैठक बुलाई है। लेबनान के नागरिकों को सीरिया के उस दशकों पुराने सैन्य कब्जे की कड़वी यादें हैं जो 2005 में खत्म हुआ था। लेबनान को सांप्रदायिक हिंसा भड़कने का भी डर है। ट्रंप की दलील, हर बार इमारत गिराने की जरूरत नहीं इस महीने की शुरुआत में जी7 शिखर सम्मेलन के इतर ट्रंप ने शिकायत की थी कि इस्राइल का युद्ध बहुत लंबा खिंच रहा है और इसमें बहुत सारे बेकसूर लोग मारे जा रहे हैं। मार्च से अब तक लेबनान में इस्राइली हमलों में 4,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। ट्रंप ने कहा, जब आप किसी हिजबुल्ला लड़ाके को ढूंढ रहे हों, तो आपको हर बार पूरी अपार्टमेंट बिल्डिंग को जमींदोज करने की जरूरत नहीं है। पुराने हिसाब चुकता नहीं करना चाहते सीरियाई नेता सीरिया के 14 साल लंबे गृहयुद्ध के दौरान हिजबुल्ला और ईरान ने बशर अल–असद का खुलकर साथ दिया था, जबकि अल–शरा उस समय असद को हटाने वाले विद्रोही गुट के नेता थे। इसके बावजूद, दिसंबर 2024 में सत्ता संभालने के बाद से दमिश्क के नए नेताओं का कहना है कि वे देश के पुनर्निर्माण पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, किसी से पुराना हिसाब चुकता नहीं करना चाहते और किसी भी क्षेत्रीय संघर्ष से दूर रहना चाहते हैं। नेतन्याहू ने क्या कहा? इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने लेबनान के साथ हुए समझौते को ईरान और हिजबुल्ला के मुंह पर करारा तमाचा करार दिया है। अमेरिका की मध्यस्थता से हुए इस समझौते से ईरान और हिजबुल्ला को बाहर रखा गया है। नेतन्याहू ने शनिवार को एक प्रेस वार्ता में कहा कि लेबनान से हम तब तक नहीं हटेंगे, जब तक हिजबुल्ला का वजूद खत्म न हो जाए। उन्होंने साफ कर दिया कि इस समझौते के तहत इस्राइल सुरक्षा के मोर्चे पर कोई ढिलाई नहीं बरतेगा और लेबनान के भीतर इस्राइली सेना का दबदबा कायम रहेगा। त्रिपक्षीय समझौते में अमेरिका और लेबनान ने यह स्वीकार किया है कि इस्राइल अपनी सुरक्षा के लिए लेबनान के भीतर सुरक्षा क्षेत्र बनाए रख सकता है। सीरिया का हस्तक्षेप से इन्कार ट्रंप के बयानों के बाद सीरियाई अधिकारियों ने स्थिति को संभालने की कोशिशें तेज कर दी हैं। 13 जून को दमिश्क में एक भाषण के दौरान राष्ट्रपति अल–शरा ने कहा, कुछ लोग अफवाहें फैला रहे हैं कि सीरिया लेबनान में सैन्य हस्तक्षेप करेगा। यह सच नहीं है। 21 जून को यूएई के एक नेटवर्क अल मशहद को दिए इंटरव्यू में अल–शरा ने स्पष्ट किया, राष्ट्रपति ट्रंप ने एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण समाधान खोजने में सीरिया की भूमिका के बारे में बात की थी, लेकिन उनके बयान की गलत व्याख्या इस तरह की गई जैसे सीरिया कल सुबह ही लेबनान पर हमला करने जा रहा हो।

भीषण गर्मी से यूरोप में 1300 से अधिक मौतें, फ्रांस पर सबसे अधिक मार, अन्य देशों का हाल क्या?

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में पिछले हफ्ते भीषण गर्मी के कारण करीब 1,000 लोगों की मौतें हुई हैं। देश की सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी ने रविवार को यह जानकारी दी। पेरिस क्षेत्र में घरों के अंदर होने वाली मौतों में भारी उछाल आया है। बुधवार को जब तापमान सबसे ज्यादा था, तब 1,200 से अधिक मौतें हुईं। अगले दो दिनों में यह संख्या बढ़कर हर दिन 1,400 से ऊपर पहुंच गई। गर्मी से पहले यहां हर दिन औसतन 900 से 1,000 मौतें होती थीं। मृतकों में 85 प्रतिशत लोग 65 साल या उससे अधिक उम्र के थे। डब्ल्यूएचओ की चेतावनी विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के प्रमुख टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने चेतावनी दी है कि यूरोप दुनिया का सबसे तेजी से गर्म होने वाला महाद्वीप है। यह वैश्विक औसत से दोगुनी रफ्तार से गर्म हो रहा है। उन्होंने बताया कि फिलहाल 15 करोड़ लोग भीषण गर्मी में रह रहे हैं। स्कूलों को बंद करना पड़ा है और बिजली ग्रिड फेल हो रहे हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के बिना इतनी भीषण गर्मी और उमस मुमकिन नहीं थी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

बलूच नेता दीन मोहम्मद की गुमशुदगी 17 साल बाद भी पहेली, दुनिया के निशाने पर क्यों आया पाकिस्तान ?

डबलिन, एजेंसी। कई अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों और कार्यकर्ताओं ने बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ता सम्मी दीन बलोच के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हुए उनके पिता दीन मोहम्मद बलोच के 17 वर्षों से गुमशुदगी मामले पर चिंता जताई है। दीन मोहम्मद बलूच नेशनल मूवमेंट (बीएनएम) के प्रमुख नेताओं में से एक रहे हैं। आयरलैंड स्थित मानवाधिकार संगठन फ्रंट लाइन डिफेंडर्स ने बताया कि 28 जून 2009 को बलूचिस्तान के खुजदार जिले से पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा दीन मोहम्मद को कथित तौर पर हिरासत में लिए जाने के बाद से उनका कोई पता नहीं चल पाया है। पाकिस्तान पर क्या लगे आरोप? संगठन ने कहा कि एक पिता की तलाश से शुरू हुआ यह संघर्ष अब पाकिस्तान में बलूच कार्यकर्ताओं की जबरन गुमशुदगी के खिलाफ सबसे प्रमुख आंदोलनों में से एक बन चुका है। फ्रंट लाइन डिफेंडर्स ने अपने बयान में कहा, श्बलूचिस्तान में कई वर्षों से जबरन गुमशुदगी को दमन के एक माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। लापता लोगों के परिवारों खासकर माताओं, बहनों, पत्नियों और बेटियों को भी प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है। संगठन ने आरोप लगाया कि सम्मी दीन बलोच के घर पर कई बार छापे मारे गए, उनकी निगरानी की गई, उनके खिलाफ ऑनलाइन दुष्प्रचार किया गया और मानवाधिकार गतिविधियों के कारण उन्हें कई बार मनमाने ढंग से गिरफ्तार भी किया गया। फ्रंट लाइन डिफेंडर्स ने पाकिस्तान सरकार से दीन मोहम्मद की जानकारी सार्वजनिक करने, उनकी सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने तथा सम्मी दीन और अन्य प्रभावित परिवारों के खिलाफ उत्पीड़न, निगरानी और बदले की भावना से की जा रहीं कार्रवाईयों को रोकने की मांग की। दुनियाभर में उठा पाकिस्तान की ज्यादती का मुद्दा एमनेस्टी इंटरनेशनल ने भी दीन मोहम्मद की 17 वर्षों से गुमशुदगी पर गहरी चिंता व्यक्त की। संगठन ने कहा कि 28 जून 2009 को उन्हें खुजदार सिविल अस्पताल से उठाया गया था और अदालतों में कई याचिकाएं, अधिकारियों से अपील तथा परिवार के लंबे अभियान के बावजूद आज तक उनका कोई पता नहीं चल सका है। इस बीच, बलूच नेशनल मूवमेंट ने ब्रिटेन और दक्षिण कोरिया में विरोध प्रदर्शन कर दीन मोहम्मद की कथित गुमशुदगी के मुद्दे को उठाया। बीएनएम ने आरोप लगाया कि बलूचिस्तान में जबरन गुमशुदगी अब एक संगठित सरकारी नीति का रूप ले चुकी है, जिसके कारण हजारों बलूच परिवार प्रभावित हुए हैं और राजनीतिक कार्यकर्ताओं के परिजनों को भी निशाना बनाया जा रहा है। दक्षिण कोरिया में आयोजित प्रदर्शन के दौरान बीएनएम कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि दीन मोहम्मद पिछले 17 वर्षों से पाकिस्तान सेना की हिरासत में हैं। उन्होंने पाकिस्तानी अधिकारियों की जवाबदेही तय करने और बलूचिस्तान के मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय से समर्थन की अपील की। प्रदर्शन के दौरान बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) की नेता महरंग बलोच, सिबगतुल्लाह बलोच और बलूच स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन (बीएसओ) अध्यक्ष बलोच कादिर को गोपनीय मुकतमेबाजी के जरिए सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने बलूच लोगों के मौलिक अधिकारों का हनन किया है।

बांग्लादेश ने मोंगला पोर्ट चीन को सौंपा, क्या भारत की सीमा के नजदीक ड्रैगन की मौजूदगी खतरे की घंटी ?

ढाका,एजेंसी/बांग्लादेश ने रणनीतिक रूप से अहम मोंगला बंदरगाह चीन को सौंपने का फैसला किया है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के चीन दौरे पर इसे लेकर समझौता भी हो गया है। यह समझौता ढाका और बीजिंग के रणनीतिक और आर्थिक संबंधों में आ रहे महत्वपूर्ण बदलावों को दिखाता है। समझौते के तहत चीन की सरकारी कंपनी, मोंगला बंदरगाह को विकसित करेगी। साथ ही इस प्रोजेक्ट के तहत चीन बागेरहाट में मोंगला बंदरगाह के करीब 110 एकड़ भूमि को भी आर्थिक जोन के रूप में विकसित करेगा, जहां इलेक्ट्रोनिक्स कंपनियां बनेंगी। बांग्लादेश ने भारत से छीनकर चीन को सौंपा प्रोजेक्ट मोंगला बंदरगाह को विकसित करने की जिम्मेदारी पहले भारत को मिली थी और साल 2015 में इसे लेकर तत्कालीन शेख हसीना सरकार और भारत के बीच एक करार भी हुआ था। साल 2018 में भारत सरकार ने हीरानंदानी ग्रुप को मोंगला बंदरगाह को विकसित करने का ठेका दिया। हालांकि अगस्त 2024 में बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का तख्ता पलट हो गया और आश्चर्यजनक तौर पर अक्तूबर 2024 में ही तत्कालीन मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार ने भारत के साथ समझौता रद्द कर दिया। अब उसी प्रोजेक्ट को बांग्लादेश ने चीन को सौंप दिया है। मोंगला बंदरगाह पर चीन की मौजूदगी भारत के लिए खतरा क्यों? मोंगला बंदरगाह पर चीन की मौजूदगी उसकी हिंद महासागर में रणनीतिक मौजूदगी को और विस्तार दे सकती है। चीन पहले से ही पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह और श्रीलंका के हंबनटोटा और पूर्वी अफ्रीका के जिबूती के बंदरगाहों के जरिए पहले ही भारत को घेरने की रणनीतिक पर काम कर रहा है। अब मोंगला बंदरगाह, जो बांग्लादेश का दूसरा सबसे व्यस्त बंदरगाह है, वहां चीन की मौजूदगी भारत के लिए चिंताजनक इसलिए भी है, क्योंकि इसकी दूरी भारत की जल सीमा से सिर्फ 130 किलोमीटर और जमीन से 80 किलोमीटर दूर ही है। चीन अगर मोंगला पोर्ट पर अपना नौसैनिक बेस बनाता है तो यहां से भारत पर निगरानी करना बेहद आसान हो जाएगा। इतना ही नहीं चीन को घेरने के लिए भारत मलक्का जलडमरूमध्य को नियंत्रित करने की क्षमता विकसित करता है तो भी मोंगला पोर्ट चीन के लिए बेहद अहम है और यहां से चीन भारत की मलक्का जलडमरूमध्य को नियंत्रित करने की क्षमता को बुरी तरह से प्रभावित कर सकता है। चिकन नेक के लिहाज से भी मोंगला पोर्ट अहम

भारत की योजना मोंगला पोर्ट को विकसित कर चिकन नेक कॉरिडोर पर अपनी निर्भरता को कम करना था। भारत, मोंगला पोर्ट के जरिए पूर्वोत्तर राज्यों में व्यापार और संपर्क को बेहतर करने की योजना बना रहा था, इससे भारत की रणनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील चिकन नेक कॉरिडोर पर निर्भरता कम हो जाती। क्या है चिकन नेक कॉरिडोर? बंगाल के सिलीगुड़ी में स्थित एक संकरा इलाका है। सबसे संकरी जगह पर यह सिर्फ 21–22 किलोमीटर क्षेत्र में फैला है और इसके एक तरफ बांग्लादेश है और दूसरी तरफ नेपाल। लंबाई में यह संवेदनशील इलाका 170 किलोमीटर के करीब है और इसकी सबसे अधिक चौड़ाई 60 किलोमीटर ही है। चिकन नेक से करीब 130 किलोमीटर दूर चीन की सीमा है और भूटान भी यहां से बेहद नजदीक है। इस तरह सिलीगुड़ी का चिकन नेक इलाका चार देशों की सीमाओं से घिरा है और चारों देशों की सीमाएं 100 किलोमीटर के दायरे में आती हैं। भारत और पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ने में यह चिकन नेक इलाका अहम है और करीब 5 करोड़ लोग इस पर निर्भर हैं। संकरा होने और चार देशों से घिरे होने के चलते युद्ध की स्थिति में इस पर कब्जा बनाए रखना बेहद मुश्किल है।

चीन की भारत को घेरने की स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स रणनीति क्या है? इतिहासकार अल्फ्रेड महान ने मशहूर तौर पर कहा था कि जो भी 21वीं सदी में हिंद महासागर पर नियंत्रण रखेगा, वही एशिया पर दबदबा बना पाएगा। भौगोलिक तौर पर हिंद महासागर पर भारत का प्रभाव रहा है, लेकिन अब चीन भी यहां अपना प्रभाव बढ़ाने में जुटा है, जिससे भारत और ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका चिंतित हैं। रणनीतिक मामलों के जानकारों का कहना है कि चीन भारत की रणनीतिक घेराबंदी कर रहा है, जिसे स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स के नाम से जाना जाता है। साल 2017 में चीन ने पूर्वी अफ्रीका के जिबूती में सैन्य अड्डे की स्थापना की। इसके बाद चीन ने पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह को विकसित कर और वहां अपनी मौजूदगी से भारत की चिंता बढ़ाई। इसके बाद चीन ने श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह को 99 साल की लीज पर लेकर भारत की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा दिया। म्यांमार के कोको द्वीप समूह पर भी चीन द्वारा सैन्य और जासूसी ढांचा विकसित करने की खबरें हैं। 2010 से ही चीन श्रीलंका, म्यांमार, मालदीव जैसे हिंद महासागर में मौजूद रणनीतिक तौर पर अहम देशों में अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इन देशों से चीन के जासूसी पोत भारत की निगरानी कर सकते हैं। चीन पर आरोप लगता है कि वह रिसर्च वेसल के जरिए समुद्र की गहराई और भारतीय पनडुब्बियों के रास्तों की मैपिंग कर रहा है। साथ ही हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी में चीनी पनडुब्बियों की सक्रियता भी बढ़ गई है। स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स रणनीति के तहत चीन भारत की आर्थिक नाकेबंदी भी कर सकता है क्योंकि जिन रास्तों पर चीन बंदरगाह विकसित कर रहा है, उनसे ही भारत का 80 फीसदी व्यापार और कच्चा तेल गुजरता है।

दक्षिण एशिया में भी लगातार अपनी मौजूदगी बढ़ा रहा चीन

चीन हिंद महासागर के साथ ही दक्षिण एशिया में भी अपनी स्थिति को मजबूत कर रहा है और भारत के लिए चिंता बढ़ा रहा है। अब मोंगला पोर्ट विकसित कर चीन का दक्षिण एशिया में प्रभाव बढ़ेगा।

साथ ही यहां विकसित किए जा रहे इकॉनमिक जोन से चीन की यहां आर्थिक गतिविधियां भी बढ़ेंगी। चीन ने बांग्लादेश की तीस्ता नदी और बंदरगाह विकास संबंधी प्रोजेक्ट में भी सहयोग की पेशकश की है। मोंगला पोर्ट पर चीन की मौजूदगी यकीनन भारत के लिए कूटनीतिक और रणनीतिक झटका है, क्योंकि बांग्लादेश ने चीन के साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाने के संकेत दे दिए हैं।

अमेरिकी अदालत में क्या खत्म होगा अदाणी से जुड़ा मुकदमा, जज की मंजूरी पर वकील ने क्या कहा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक वरिष्ठ कानूनी विशेषज्ञ ने अदाणी समूह के खिलाफ दायर आरोपपत्र (इंडिक्टमेंट) को रद्द करने के लिए अमेरिकी न्याय विभाग (DOJ) की ओर से दाखिल याचिका पर जज निकोलस गैराफिस के हालिया आदेश को न्यायिक प्रक्रिया का सामान्य हिस्सा बताया है। उनका कहना है कि अदालत की निगरानी किसी असाधारण कानूनी अड़चन का संकेत नहीं, बल्कि संघीय आपराधिक मामलों में अपनाई जाने वाली नियमित प्रक्रिया है। लेकिन अंतिम निर्णय लेने के अधिकार मुख्य रूप से न्याय विभाग के पास ही रहते हैं। क्रिस मैन ने इससे पहले हंटर बाइडेन और वॉलमार्ट जैसी चर्चित हस्तियों एवं कंपनियों का क्श्र और ैम्ह की जटिल जांचों में प्रतिनिधित्व किया है। केस वापस लेने के लिए अदालत की मंजूरी क्यों जरूरी है? क्रिस मैन ने बताया कि संघीय आपराधिक प्रक्रिया के नियम 48() के तहत यदि अभियोजन पक्ष किसी मामले को वापस लेना चाहता है तो उसे अदालत से श्लीव ऑफ कोर्टश यानी न्यायालय की अनुमति लेनी होती है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि यह महज एक प्रक्रियात्मक औपचारिकता है। उन्होंने कहा, श्यह पूरी तरह सामान्य प्रक्रिया है। किसी मामले को शुरू करने या वापस लेने के फैसले में न्याय विभाग के पास व्यापक अधिकार होते हैं। एक बार मामला अदालत में दाखिल हो जाए तो उसे वापस लेने के लिए जज की मंजूरी आवश्यक होती है, लेकिन मुझे ऐसा कोई मामला याद नहीं जिसमें किसी जज ने इस तरह की अनुमति देने से इनकार किया हो। सरकार को मुकदमा चलाने के लिए मजबूर नहीं कर सकता कोर्ट इस सवाल पर कि क्या अदालत DOJ की याचिका को प्रभावी रूप से रोक सकती है, क्रिस मैन ने कहा कि न्यायपालिका की संवैधानिक सीमाएं स्पष्ट हैं। यदि सरकार किसी मामले को आगे नहीं बढ़ाना चाहती तो जज के पास उसे मुकदमा चलाने के लिए बाध्य करने की शक्ति नहीं होती। मामले से जुड़े कानूनी सूत्रों के अनुसार अदालत ने अमेरिकी सरकार को 13 जुलाई 2026 तक अपना औपचारिक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। माना जा रहा है कि इससे मामले के निपटारे की प्रक्रिया तेज हो सकती है। DOJ देगा और विस्तृत कानूनी विश्लेषण विशेषज्ञों का मानना है कि न्याय विभाग अदालत की ओर से मांगे गए स्पष्टीकरण से पीछे नहीं हटेगा और अपनी दलीलों को अधिक विस्तृत कानूनी विश्लेषण के साथ पेश करेगा।

क्रिस मैन ने कहा, श्मुझे नहीं लगता कि क्श्र के लिए यह कोई बड़ी परेशानी है। विभाग अधिक विस्तृत विश्लेषण के साथ वापस आएगा और मेरा मानना है कि वह अदालत की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त होगा।श उन्होंने अनुमान जताया कि पूरी प्रक्रिया महीनों नहीं, बल्कि कुछ ही सप्ताह में पूरी हो सकती है। अदाणी समूह ने आरोपों को बताया कानूनी रूप से कमजोर

अदाणी समूह का कहना है कि उसके खिलाफ दर्ज मामले में गंभीर कानूनी खामियां हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

वेनेजुएला भूकंपः मौत के मलबे में जिंदगी की दस्तक, तबाही के चार दिन बाद कैसे जिंदा बचे पिता-पुत्र?

काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला में आए भीषण भूकंप ने हजारों परिवारों को गहरे जख्म दिए हैं। कहीं मलबे में तब्दील हो चुके घर हैं, तो कहीं अपनों की तलाश में रोते–बिलखते लोग। चारों ओर पसरे सन्नाटे और निराशा के बीच एक ऐसी घटना सामने आई, जिसने पूरी दुनिया को भावुक कर दिया। जिस इमारत के मलबे के नीचे चार दिन तक किसी के जिंदा होने की उम्मीद लगभग खत्म हो चुकी थी, वहां से एक पिता और उसके छोटे बेटे को जीवित बाहर निकाला गया। यह पल न केवल राहतकर्मियों के लिए, बल्कि अपने प्रियजनों की तलाश कर रहे हजारों लोगों के लिए उम्मीद की नई किरण बन गया। बुधवार को वेनेजुएला में 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंप आए थे। इन झटकों ने उत्तरी तटीय इलाके ला गुआइरा को सबसे ज्यादा प्रभावित किया। कई इमारतें ढह गईं और हजारों लोग मलबे में दब गए। राहतकर्मी लगातार बचाव अभियान चला रहे थे, लेकिन चार दिन बाद किसी के जिंदा मिलने की उम्मीद बेहद कम हो चुकी थी। ऐसे में रविवार को मलबे के ढेर के बीच अचानक हलचल दिखी और बचाव दल ने तेजी से अभियान शुरू कर दिया। क्या चार दिन बाद मलबे से मिली जिंदगी की दस्तक? अमेरिका के वर्जीनिया, फ्रांस और वेनेजुएला के बचाव दल ने स्थानीय लोगों की मदद से मलबे को हटाना शुरू किया। कुछ देर बाद मलबे के बीच से धूल से सने दो पैर दिखाई दिए। राहतकर्मियों ने बेहद सावधानी से एक व्यक्ति को बाहर निकाला। वह चार दिन तक मलबे में फंसा रहा, लेकिन उसके हाथ में अब भी उसका मोबाइल फोन था। उसे तुरंत प्राथमिक उपचार दिया गया। इसके बाद उसके छोटे बेटे को भी मलबे से सुरक्षित निकाला गया। बच्चा बेहद कमजोर और लगभग बेहोशी की हालत में था। दोनों को एंबुलेंस के जरिए अस्पताल भेजा गया। क्या इस बचाव अभियान ने लोगों में फिर उम्मीद जगा दी? जब पिता और बेटे को मलबे से बाहर निकाला गया, तो वहां मौजूद राहतकर्मियों और स्थानीय लोगों ने तालियां बजाकर उनका स्वागत किया। कई दिनों से लगातार मलबा हटाने में जुटी टीमों के लिए यह भावुक क्षण था। राहत अभियान में शामिल लोगों ने कहा कि जब कोई जिंदा मिलता है, तो यह सिर्फ एक जीवन बचाने की बात नहीं होती, बल्कि यह उन हजारों परिवारों के लिए उम्मीद का संदेश होता है, जो अब भी अपने अपनों के मिलने की आस लगाए बैठे हैं। वेनेजुएला में तबाही का मंजर कितना भयावह है?